हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 313, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 2 मई, 2022 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

अप्रैल की गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़े मई में भी राहत की उम्मीद नहीं

उत्तर पश्चिम भारत के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा तापमान रहने का अनुमान

नई दिल्ली। अप्रैल की गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि 1901 के बाद से अप्रैल में इतनी गर्मी कभी नहीं पड़ी थी। मार्च में भी गर्मी ने सब रेकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे। यह सिलसिला अप्रैल में भी जारी रहा और आसार यही हैं कि मई में भी रेकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ेगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत उत्तर पश्चिम भारत के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा तापमान रहेगा, यह अनुमान है। पारा बस दिन के वक्त ही नहीं, रातों को भी सामान्य से ज्यादा ही रहेगा।

मई के पूवार्नुमान के अनुसार इस महीने कुछ जगहों पर लू से राहत की उम्मीद जरूर है। उत्तर प्रदेश, ज्यादातर मध्य भारत समेत बाकी देश के बाकी हिस्से थोड़ी राहत की आशा रख सकते हैं। मौसम विभाग ने एक सुखद अपडेट में यह जरूर कहा कि मई में सामान्य से थोड़ा ज्यादा बारिश होने के आसार हैं। हालांकि गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू व कश्मीर और तमिलनाडु में बारिश की संभावना बेहद कम है। मार्च के महीने में भारत में 71 फीसदी कम बारिश हुई जबकि अप्रैल में सामान्य से एक फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इसमें भी ज्यादातर बारिश पूर्व और पूर्वोत्तर के हिस्सों में हुई। उत्तर पश्चिम भारत में 84 फीसदी कम बारिश

हुई जबकि मध्य भारत में 54 फीसदी कम। 29 अप्रैल की गर्मी पिछले 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। इसके बाद भी गर्मी कम नहीं हुई और 30 अप्रैल शनिवार को हीटवेव चली। अप्रैल में हीट वेव की स्थिति 2010 के बराबर पहुंच गई है। 2010 में भी अप्रैल में 11 हीटवेव आई थी और 2022 में 30 अप्रैल तक 11 हीटवेव आ चुकी हैं। 2022 में स्थिति 2010 के बराबर हो गई है। यह स्थिति 12 साल बाद बनी है, क्योंकि इस बार तापमान में बढ़ोतरी हुई है। गर्मी का रेकॉर्ड भी टूट चुका है। इसलिए हीटवेव भी लगातार आती रही हैं। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक 2 मई को मौसम में बदलाव हो सकता है। हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। फिलहाल 1 मई के बाद एक सप्ताह तक हीट वेव के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। गुड़गांव मौसम विभाग का कहना है कि साइक्लोनिक सकुर्लेशन के कारण मई के पहले सप्ताह में मौसम में कुछ बदलाव देखने को मिलेगा। अगले 2-3 दिनों में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इससे धूल भरी आंधी आ सकती है। 4, 5 और 6 मई को मौसम बदलेगा और बादल छा सकते हैं।

तेज हवाओं के बीच हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। इससे गर्मी और लू से थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन उमस बढ़ सकती है। हल्की बूंदाबांदी की वजह से तापमान भी 2-3 डिग्री सेल्सियस तक कम हो सकता है। गुड़गांव समेत दक्षिण हरियाणा में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अमौसी स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि अफगानिस्तान और आसपास के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसके प्रभाव से 2 मई से मौसम में बदलाव होगा। 4 मई से लखनऊ, लखीमपुर खीरी, बरेली, सीतापुर, श्रावस्ती, गोंडा, बस्ती, रायबरेली, प्रयागराज, वाराणसी, जौनपुर, सुलतानपुर, मीरजापुर समेत आसपास के जिलों में बूंदाबादी और बारिश के आसार हैं।

केजरीवाल ने कोयले की कमी की बात कही, केन्द्र ने दिल्ली के लिए पर्याप्त आपूर्ति का आश्वासन दिया

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को फिर से कोयले की कमी का मुद्दा उठाया, हालांकि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने आश्वासन दिया कि दिल्ली की बिजली आपूर्ति कंपनियों को आवश्यकता के अनुसार बिजली मिलती रहेगी। दिल्ली सरकार ने विभिन्न बिजली घरों में कोयले की कमी का संदर्भ देते हुए बिजली आपूर्ति बाधित होने की चेतावनी दी है। एक कार्यक्रम से इतर केजरीवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दिल्ली में बिजली आपूर्ति का प्रबंधन हम (दिल्ली सरकार) कर रहे हैं। कोयले की कमी के कारण यह समस्या पूरे देश के सामने है। ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री ने दिल्ली को बिजली आपूर्ति करने वाले बिजली संयंत्रों सहित अन्य ताप बिजली घरों में कोयले की उपलब्धता की समीक्षा की। बयान के अनुसार मंत्री ने दिल्ली की बिजली वितरण कंपनियों को निर्देश दिया है कि उन्हें मांग के अनुरुप बिजली मिलेगी। टाटा पावर दिल्ली वितरण निगम (टीपीडीडीएल) ने एक बयान में कहा कि वह उन बिजली घरों में कोयले की उपलब्धता पर नजर रख रहा है जिनके साथ उसका लंबे समय तक का करार है। बयान के अनुसार बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने और अतिरिक्त मांगों के मद्देनजर टीपीडीडीएल ने हाल में मई के पहले सप्ताह से 31 जुलाई तक 150 मेगावाट अतिरिक्त बिजली के लिए करार किया है।

स्थानीय भाषाओं में हाईकोर्ट की कार्यवाही संभव नहीं : मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना

नई दिल्ली। देश के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने कहा है कि उच्च न्यायालयों में स्थानीय भाषाओं में कार्यवाही चलाने की फिलहाल कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तकनीक का भविष्य में कभी इस स्तर पर विकास हो गया कि वह स्थानीय भाषाओं को देखकर जज को उसका मर्म समझा सकें, तो फिर कोर्ट में यह भाषाएं लागू हो सकती हैं। जस्टिस रमना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीधों और मुख्यमंत्री सम्मेलन के विचार सत्रों में हिस्सा लेने के बाद शाम को बोल रहे थे। हालांकि, उन्होंने इससे पूर्व सुबह प्रधानमंत्री के सामने कहा था कि हाईकोर्ट में स्थानीय भाषाओं में कार्यवाही शुरू करने का समय आ गया है। संवैधानिक अदालतों के समक्ष वकालत किसी व्यक्ति के कानून की जानकारी और समझ पर आधारित होनी चाहिए न कि भाषाई निपुणता पर। न्याय व्यवस्था और हमारे लोकतंत्र के अन्य सभी संस्थानों में देश की सामाजिक और भौगोलिक विविधता दिखनी चाहिए। मुझे उच्च न्यायालयों के समक्ष कार्यवाही में स्थानीय भाषाओं को शामिल करने के लिए कई अभ्यावेदन प्राप्त हो रहे हैं। शाम को मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह क्षेत्रीय भाषाओं के हाईकोर्ट में इस्तेमाल को लेकर बहुत उम्मीद नहीं रखते। उन्होंने कहा कि जब वह 2014 में सुप्रीम कोर्ट आए थे तो उसे समय फुल कोर्ट ने प्रस्ताव पारित कर हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं के इस्तेमाल करने के आग्रह को खारिज कर दिया था। तब से स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है हाल ही में सिर्फ तमिलनाडु सरकार की ओर से उन्हें एक प्रस्ताव मिला है, जिसमें हाईकोर्ट में क्षेत्रीय भाषा के इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी है। और कहीं से ऐसा प्रस्ताव नहीं आया है। गुजरात से कुछ मांग उठी थी लेकिन उसका कोई प्रस्ताव उनके संज्ञान में नहीं है। चीफ जस्टिस ने कहा कि हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश हमेशा बाहर के होते हैं, इसके अलावा कई वरिष्ठ जज भी बाहर के होते हैं, जो स्थानीय भाषाओं में निपुण नहीं होते। दूसरी समस्या अनुवाद की आएगी, जो संभव नहीं है। क्योंकि, उसके लिए आधारभूत ढांचा बनाना होगा। वहीं, यदि आपराधिक मामले में सुनवाई चल रही है तो पोस्टमार्टम और उसकी रिपोर्ट की बारीकियां कैसे बयान की जाएंगी, यह एक समस्या रहेगी। फिर हाईकोर्ट का कोई फैसला जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी, उसका विभिन्न भाषाओं से अनुवाद कैसे किया जाएगा। यदि अनुवाद नहीं हुआ तो स्थानीय वकील यहां कैसे बहस करेंगे और उन्हें कौन कैसे समझेगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ये सब समस्याएं हैं।

एलएसी पर स्थिति को लेकर सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे बोले, क्षेत्र के किसी भी नुकसान की नहीं देंगे अनुमति

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख के एलएसी में भारतीय सेना ने यथास्थिति को बदलने के चीनी प्रयासों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने रविवार को स्पष्ट किया

कि भारतीय सेना बल क्षेत्र के किसी भी नुकसान की अनुमति नहीं देगा। समाचार एजेंसी एएनआइ को दिए एक विशेष साक्षात्कार में नए भारतीय सेना प्रमुख ने कहा कि एलएसी पर स्थिति इस समय सामान्य है। यथास्थिति को बदलने के लिए हमारे विरोधी (चीन) द्वारा एकतरफा और भड़काऊ कार्रवाई से पर्याप्त रूप से निपटा गया है। सेना प्रमुख जनरल पांडे ने कहा कि पिछले दो सालों में हमने खतरे का आकलन किया है और अपने बलों को फिर से संगठित और पुनर्गठित किया है। उन्होंने कहा कि जहां तक एलएसी की स्थिति का सवाल है, हमारे सैनिक यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत दृढ़ तरीके से वहां मौजूद हैं कि यथास्थिति में कोई बदलाव न हो। नए सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना के जवान महत्वपूर्ण पदों पर तैनात हैं और इस सब में हम बहुत स्पष्ट हैं कि हम यथास्थिति में किसी भी बदलाव और क्षेत्र के किसी भी नुकसान की अनुमति नहीं देंगे। जनरल पांडे ने कहा कि हमारा ध्यान बुनियादी ढांचे के विकास पर भी रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य एलएसी के साथ तनाव को कम करना और यथास्थिति की बहाली करना है। नए भारतीय सेना प्रमुख ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों की संख्या में वृद्धि हुई है। एलओसी पर घुसपैठ और हिंसा का स्तर कम हो गया है, लेकिन भीतरी इलाकों में इस आशय का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि कश्मीर में सीमा पार से हो रही प्रतिबंधित वस्तुओं (ड्रग्स) और हथियारों की तस्करी के मामले बढ़ रहे हैं। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में चीनी आक्रमण के बाद भारत और चीन पिछले दो सालों से सैन्य गतिरोध की स्थिति में हैं, जिसके बाद दोनों पक्षों ने सीमा पर एक-दूसरे के विपरीत सैनिकों को तैनात किया है।

समान नागरिक संहिता- मुस्लिम महिलाएं नहीं चाहती कि उनका पति 3-3 बेगम घर लाए : हिमंत सरमा

नई दिल्ली। समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) को लेकर छिड़ी बहस में पूर्वोत्तर राज्य असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इसका यह कहते हुए समर्थन किया कि देश की सभी मुस्लिम महिलाएं इसे लागू कराना चाहती हैं। एक समाचार एजेंसी ने सीएम के हवाले से कहा, 'कोई भी मुस्लिम महिला यह नहीं चाहती हैं कि उनका पति घर में तीन-तीन पत्नी लाए। किसी भी मुस्लिम महिलाएं से आप पूछ सकते हैं। समान नागरिक संहिता हमारा मुद्दा नहीं है, यह सभी मुस्लिम महिलाओं का मामला है।' हिमंत बिस्व सरमा मुख्यमंत्रियों और जजों के सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली आए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए समान नागरिक संहिता जरूरी है। उन्होंने कहा, 'अगर मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक खत्म करने न्याय दिलाया गया तो यूनिफॉर्म सिविल कोड को भी लागू करना चाहिए।' आपको बता दें कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा चुनाव में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने का वादा राज्य की जनता से किया था। सीएम बनने के बाद उन्होंने हाल ही में कहा था कि इसकी ड्राफ्टिंग के लिए एक पैनल का गठन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि समान नागरिक संहिता के गुण समझाने के लिए चौपाल बनाए जाएंगे। इस बीच, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए राज्य सरकारों और केंद्र के प्रयासों को 'एक असंवैधानिक और अल्पसंख्यक विरोधी कदम' कहा है। समान नागरिक संहिता संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत आती है। यह व्यक्तिगत कानूनों को लागू करने का एक प्रस्ताव है जो सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होगा, चाहे उनका धर्म, लिंग, लिंग और यौन अभिविन्यास कुछ भी हो।

सीएम योगी का गौवंश को गर्मी से बचाने के लिए ब्लाक स्तर पर बड़े आश्रय स्थल बनाने का निर्देश

लखनऊ। गाय तथा गौवंश के पुर्नवास तथा उनको सुरक्षित स्थान पर रखने को लेकर बेहद चिंतित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भीषण गर्मी से इनको बचाने के बड़े अभियान में लगे हैं। टीम -09 के साथ रविवार को समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्लाक स्तर पर बड़े गौ आश्रय स्थल बनाने के निर्देश दिए हैं। बड़े गौ आश्रय स्थल भीषण गर्मी से जानवर को बचाने में बड़े ही उपयोगी होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक ही स्थान पर दो से ढाई हजार गायों को समायोजित करने की क्षमता वाली गौशाला बनाएं। उन्होंने कहा कि ब्लाक स्तर पर गौशालाएं स्थापित करने की योजना बनाएं। सभी गौशालाओं में व्यवस्था सुचारू रूप से रखी जाए। गायों को गर्मी या धूप से सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जानी चाहिए। अगर यह गौशालाएं ब्लाक स्तर पर बनेंगी तो गायों को चारा तथा ही घास भी आसानी से मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकासखंड स्तर पर 2000-2500 गोवंश क्षमता वाले गो आश्रय स्थल स्थापित करने की योजना बनाएं। इसके साथ प्रदेश

के सभी गो-आश्रय स्थलों में व्यवस्था सुचारु रखी जाए। गोवंश को गर्मी अथवा धूप से सुरक्षित रखने के प्रबंध किए जाएं। हरा चारा-भूसा आदि के समुचित प्रबंध हों। इन दिनों गेहूं की कटाई चल रही है। ऐसे में पशु चारे की खरीद अभी कर लेना उचित होगा। उन्होंने साथ ही कहा कि दुग्ध समितियों के गठन की प्रक्रिया को और तेज करने की अपेक्षा है। इस प्रक्रिया के गति मिलने से दूध तथा इससे बनने वाले खाद्य पदार्थ का उत्पादन भी ब्लाक स्तर पर हो सकेगा। इसमें लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे और वह लोग काम में व्यस्त रहेंगे।

जारी है मुफ्त राशन वितरण : सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 15 करोड़ गरीब जनता के सुचारु भरण-पोषण के लिए प्रदेश सरकार मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। केन्द्र सरकार की ओर से भी मुफ्त राशन दिया जा रहा है। राशन के अतिरिक्त दाल, नमक और खाद्य तेल भी दिया जा रहा है। अंत्योदय कार्ड धारकों को चीनी भी मुफ्त दी जा रही है। व्यापक जनहित की यह योजना सुव्यवस्थित रूप से चलती रहे, इसके लिए वितरण सामग्री की उपलब्धता, वितरण प्रणाली आदि की नियमित अंतराल पर समीक्षा की जाती रहे।

सड़क पर नमाज पढ़ने पर रोक को लेकर राजभर ने कांवड़ यात्रा पर भी उठा दिए सवाल

लखनऊ। लाउडस्पीकर विवाद के बाद सड़क पर नमाज को लेकर सियासत गर्मा गई है और इस मुद्दे पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख और समाजवादी पार्टी गठबंधन के साथ ओम प्रकाश राजभर भी कूद गए हैं। उन्होंने लाउडस्पीकर विवाद को लेकर कहा है कि डीजे और रैलियों में भी लाउडस्पीकर पर बैन लगा दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार मंहगाई और बेरोजगारी से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रही है। सड़क पर नमाज पढ़ने पर रोक को लेकर राजभर ने कांवड़ यात्रा पर भी सवाल उठा दिए। राजभर ने कहा, 'संविधान सभी को अपने-अपने हिसाब से पूजा की आजादी देता है। सरकार मंहगाई और बेरोजगारी से ध्यान भटकाने के लिए ये हथकंडे अपना रही है। एक तरफ तो मस्जिद से लाउडस्पीकर उतारे जा रहे हैं, लेकिन शादियों में डीजे पर क्यों नहीं रोक लगा रहे हैं।' राजभर ने राजनीतिक रैलियों में भी लाउडस्पीकर पर सवाल उठाए और कहा कि भाजपा में हिम्मत है तो रैलियों में भी लाउडस्पीकर पर रोक लगाए। राजभर ने कहा, 'सरकार कह रही है कि सड़क पर नमाज नहीं पढ़ सकते, मस्जिद में भीड़ होती है, इसलिए बाहर आकर लोग नमाज पढ़ते हैं। आ रहा है ना कांवड़ यात्रा वह कहां करेंगे अंदर या बाहर? सड़क पर ही होगा ना? कितने देर तक लोग नमाज पढ़ते हैं? दूसरे तरफ देखिए कांवड़ यात्रा में सड़क पर कब्जा कर लिया जाता है। लोग चल नहीं पाते हैं।' राजभर ने कहा, 'बच्चों को पढ़ने लिखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। केवल कांवड़ यात्रा लेकर चलते रहोगे तो कुछ नहीं बन पाओगे। आज पिछड़े दलित ही हिंदू हैं ना, ब्राह्मण कभी खुद को हिंदू नहीं कहता है। कांवड़ यात्रा में शूद्र ही जाते हैं। क्या एक भी ब्राह्मण का बेटा जाता है?'

कोयले की किल्लत ने बढ़ाया बिजली संकट

नई दिल्ली। आग उगलते सूरज की किरणें को बीच भीषण गर्मी से जूझ रहे देश में कोयले की किल्लत ने बिजली संकट को और गहरा दिया है। पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपरेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते छह वर्षों में पहली बार इस तरह का बिजली संकट हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार देश में अप्रैल-2022 के पहले 27 दिन में मांग की तुलना में 1.88 बिलियन यूनिट बिजली का संकट रहा है जिसने बीते छह साल के बिजली संकट के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार को देश में 2,07,11 मेगावॉट बिजली की मांग रही जिसने अबतक के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। 26 अप्रैल को बिजली आपूर्ति की तुलना में मांग इतनी अधिक हो गई थी कि देश में 8.22 गीगावॉट बिजली का संकट हो गया था। ऊर्जा मंत्रालय की मानें तो इस वर्ष मार्च में बिजली की मांग में 8.9 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यही नहीं मंत्रालय का कहना है कि बिजली की मांग ऐसे ही जारी रही तो मई- जून में बिजली की मांग 215 से 220 गीगावॉट हो सकती है।

कोयला संकट के कारण हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और जम्मू-कश्मीर समेत अन्य राज्यों में बिजली का संकट अधिक है। मालूम हो कि पिछले साल अक्तूबर में भी इसी तरह का बिजली संकट गहराया था। हालांकि इस बार स्थिति ज्यादा गंभीर हो गई है क्योंकि देश के अधिकतर राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में संकट के कारण कई घंटों की कटौती की जा रही है। ओडिशा में कोयले के अभाव में एनटीपीसी का एक संयंत्र बंद है जिससे 800

मेगावॉट बिजली का उत्पादन होता है। बिजली संकट पर कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ का दावा है कि देश के 173 ऊर्जा संयंत्रों में से 106 के पास 25 फीसदी से कम कोयले का भंडार है। देश में रोजाना 22 लाख टन कोयले की जरूरत है और आपूर्ति सिर्फ 16 लाख टन हो रही है। नतीजा ये है कि हाल के सप्ताह में रोजाना औसतन 16,035 मेगावॉट बिजली की मांग हो रही है जबिक आपूर्ति सिर्फ 2304 मेगावॉट की हो रही है। यही कारण है कि मांग की तुलना में यूपी में नौ, हरियाणा में 7.7 और उत्तराखंड में 7.6 फीसदी बिजली संकट है।

उत्तर प्रदेश: यूपीपीसीएल के अनुसार मांग की तुलना में आठ फीसदी बिजली का संकट है। राज्य में बिजली की मांग बढ़कर 21 हजार मेगावॉट हो गई है जबिक उपलब्धता सिर्फ 19 हजार मेगावॉट की है।

बिहार: कोयले के संकट के कारण एक हजार मेगावॉट बिजली का संकट है। राज्य के ऊर्जा मंत्री बिजेंन्द्र प्रसाद यादव का कहना है कि नबीनगर थर्मल प्लांट शुरू होने के बाद स्थिति ठीक हो जाएगी।

झारखंड: बिजली की मांग बढ़कर 2100 मेगावॉट हो गई है लेकिन कोयले के संकट के कारण राज्य में बिजली की आपूर्ति सिर्फ 1600 मेगावॉट ही है, जिससे कटौती के हालात बन गए हैं।

उत्तराखंड: सरकार ने 16 करोड़ रुपये से बिजली खरीदी है। इसके बावजूद मांग की तुलना में 3.32 लाख यूनिट बिजली का संकट है। राज्य में बिजली उपभोग 48 लाख यूनिट के पार हो गया है।

राजस्थान: 10,110 मेगावॉट बिजली उत्पादन की क्षमता है लेकिन कोयले के संकट के कारण 6600 मेगावॉट बिजली का ही उत्पादन हो पा रहा है।

लखीमपुर खीरी में फिर 5 मई को होगा 4 राज्यों के किसानों का जमावड़ा

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के गठित होने के बाद अब एक बार फिर किसान संगठन आंदोलित हो रहे हैं। लखीमपुर खीरी में एक बार फिर किसान नेता जुटने वाले हैं। शनिवार को भारतीय किसान यूनियन ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले यूनियन 5 मई को लखीमपुर खीरी पहुंच रहे हैं। बीते साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर में किसानों की मौत के बाद हिंसा भड़क गई थी। उस दौरान कुल 8 लोगों की मौत हो गई थी। बीकेयू का कहना है कि किसान मृतकों को इंसाफ दिलाने के लिए लखीमपुर पहुंच रहे हैं।

समाचार के मुताबिक, भारतीय किसान यूनियन (पंजाब) के महासचिव हरिंदर सिंह लाखोवाल ने कहा कि एसकेएम के बैनर तले किसान यूनियन बीते साल मारे गए किसानों को इंसाफ सुनिश्चित करने के लिए 5 मई को लखीमपुर खीरी पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब से किसान 4 मई को रवाना होंगे और रास्ते में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसानों के साथ लखीमपुर खीरी जाएंगे। लखीमपुर खीरी की घटना में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा का नाम आरोपी के तौर पर सामने आया था। फरवरी में इलाहबाद उच्च न्यायालय ने मिश्रा को जमानत दे दी थी, लेकिन अप्रैल में ही सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए मिश्रा की जमानत रद्द कर दी थी। साथ ही आरोपी को एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने के लिए भी कहा गया था। इसके बाद मिश्रा ने 24 अप्रैल को सरेंडर कर दिया था। दरअसल, लखीमपुर खीरी घटना के दौरान जान गंवाने वालों के परिजनों ने जमानत के खिलाफ शीर्ष कोर्ट का रुख किया था। घटना के बाद मिश्रा को 9 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। बीते साल अक्टूबर में लखीमपुर खीरी में चार किसानों समेत 8 लोगों की मौत हो गई थी। मिश्रा ने केंद्र के कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों पर कथित तौर पर गाड़ी चढ़ा दी थी।

चिंतन मनन

डरे हुए मुसलमान भाजपा की शरण में

भारत के डरे हुए मुसलमान और अल्पसंख्यक भाजपा के स्थायी वोटर बन जाते हैं। भाजपा और संघ के शीर्ष नेतृत्व का यही मानना है। पिछले 8 वर्षों में उत्तर-भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में इसका सफल प्रयोग हो चुका है। अब दक्षिण के राज्यों में भी मुस्लिम और अल्पसंख्यकों को निशाने पर लिया गया है। उ.प्र., बिहार एवं पश्चिम बंगाल में इसी रणनीति के तहत भाजपा और सहयोगी संगठनों ने काम किया था। पश्चिम बंगाल को छोड़कर सभी राज्यों में भाजपा ने अपनी जीत का झंडा गाड़ा है। इसी सफलता से उत्साहित होकर अब दक्षिण के राज्यों में हिन्दुत्व एवं राष्ट्रीयता के नाम पर मुसलमानों एवं अल्पसंख्यक समुदाय को डराकर भाजपा की शरण में आने पर मजबूर किया जा रहा है। गोधरा कांड के बाद 2002 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को अल्पसंख्यकों को भयभीत करने की जो सफलता मिली थी। 2002 से 2007 तक गुजरात मुसलमानों ने अपनी सुरक्षा, व्यापार एवं रोजगार के लिए बिना किसी विरोध के भाजपा और नरेन्द्र मोदी की शरण में जाना स्वीकार किया। उसी गुजरात मॉडल का अब सभी राज्यों में विस्तार किया जा रहा है। 2002 के बाद से गुजरात में मुलसमानों ने सत्ता में अपनी भागीदारी और स्वतंत्रता की मांग नहीं उठाई। डर एवं भय के कारण गुजरात का मुसलमान और अल्पसंख्यक शरणागत होकर भाजपा की छत्र-छाया में स्थायी मतदाता बने है। उ.प्र., बिहार इत्यादि उत्तर भारत एवं पूर्वोत्तर राज्यों के मुसलमानों ने भी भयभीत होकर अपने सारे हथियार हिन्दुत्व एवं राष्ट्रीयता के नाम भाजपा के सामने डाल दिए हैं। संघ, हिन्दू संगठनों एवं भाजपा को अपनी सत्ता को मजबूत बनाने का अचूक उपाय मिल गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव के पूर्व देश के सभी राज्यों में हिन्दूवादी संगठन, मुसलमान और अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगे। मुस्लिम समुदाय भी इस कठिन परिस्थिति में अपनी सुरक्षा, रोजगार और अपने परिवार को बचाने के लिये जिस तरह उत्तर-भारत एवं पूर्वोत्तर राज्यों में शरणागत हो गया है। उसी तरह की स्थिति अब दक्षिण के राज्यों में पैदा की जा रही है। हिजाब, 3 तलाक, धारा 370, अजान, सड़क पर नमाज, गौ-संरक्षण के नाम पर मुस्लिमों का विरोध कहीं पर भी सामने नहीं आया है। मंहगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दे पर आमजनता की ओर से कोई प्रतिरोध नहीं होने से केन्द्र सरकार भाजपा संगठन एवं संघ का मानना है, कि "भय बिन होय न प्रीति गुसांई" की जो चौपाई तुलसीदास जी ने रामायण में लिखी थी, उसी चौपाई को चरितार्थ करने की जो रणनीति संघ और उनके अनुशांगिक संगठनों ने अपनाई है। उसका गहरा असर मुसलमानों एवं अल्पसंख्यकों के बीच हुआ है। डरा-सहमा मुसलमान अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए भाजपा के सामने शरणागत हो गया है। राजनैतिक दलों के पास मदतान केंद्रों का डाटा उपलब्ध हो जाता है। किस मतदान केंद्र से किस राजनैतिक दल को कितने मतदान मिले हैं। सत्तारुण दल इसका फायदा उठाकर चुनाव के बाद मतदाताओं को डराने एवं धमकाने का काम करते है। भाजपा और हिन्दू संगठनों ने अल्पसंख्यकों को डरा-धमकाकर उन्हें अपना वोटर बनाने में सफलता हासिल कर ली है। वर्तमान परिपेक्ष्य में न्यायपालिका, प्रशासन और चुनाव आयोग का मौन, अल्पसंख्यकों को भाजपा की शरण में जाने के लिए मजबूर कर रहा है। यही समय की और भाजपा की सबसे बड़ी जीत है।

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई। एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए। कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

कष्ट और बलिदान

दुनिया में अच्छा करने के लिए हमें इस जीवन में दुख या दुख की जरूरत नहीं है। हम में से कई लोगों का यह गहरा विश्वास है कि दुनिया में अच्छा करने के लिए हमें कष्ट सहना पड़ता है और त्याग करना पड़ता है। यह आमतौर पर माना जाने वाला विचार एक निश्चित मानसिकता से उपजा है, जो पूर्वजों से विरासत में मिला है जो हमारे सामने आए थे जिन्होंने इसे सच के रूप में अनुभव किया होगा। हमारे अपने पिछले जीवन के अनुभवों के विश्वास भी इस जीवन में प्रकट हो सकते हैं। यह अक्सर ऐसा तरीका होता है जिसमें झूठी मान्यताएं पकड़ लेती हैं और जाने नहीं देती हैं, भले ही वे अब प्रासंगिक नहीं हैं। हम सभी को अपना जीवन अपने समय में जीना चाहिए, और सीखना चाहिए कि हमारे लिए क्या सच है, क्योंकि बहुत कम सत्य हर समय सभी लोगों के लिए मान्य साबित होते हैं। अपने दिमाग को झूठी धारणाओं से मुक्त रखना कोई आसान काम नहीं है, क्योंकि इसके लिए हमें पहले अपने विश्वासों को जानना होगा। बहुत बार, ये मान्यताएँ हमारे अचेतन मन में गहराई से बस जाती हैं जहाँ वे बस निर्विवाद रूप से बैठ जाती हैं। फिर भी, वे हमारे दिलों, हमारे दिमागों और हमारी वास्तविकता पर प्रभाव डालते हैं। ये विश्वास हम पर कार्य करते हैं, ऐसी स्थितियों और संबंधों का निर्माण करते हैं जिन्हें हम भाग्य के रूप में देखते हैं, जब वे वास्तव में बाहरी दुनिया में प्रकट होने वाले हमारे अचेतन दिमाग होते हैं। परिणामस्वरूप, हमें शायद यह भी पता न हो कि हम गरीबी की मानसिकता का बोझ उठा रहे हैं, और हमें आश्चर्य हो सकता है कि हम बहुतायत क्यों नहीं दिखा रहे हैं, खासकर अगर हम जानते हैं कि हम इसके लायक हैं। यदि ऐसा है, तो यह देखने का समय हो सकता है कि क्या हम अपने भीतर की बाधा को खोज सकते हैं। विकसित होने के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने दिमाग और दिल की सामग्री की जांच करें और वास्तविकता के बारे में हम जो विश्वास करते हैं उसकी जड़ तक पहुंचें।

सब्र के इम्तहान का ईनाम है ईद

रमजान सब्र ,प्रेम और भाईचारे के साथ साथ अल्लाह की खिदमत का एक खास महिना है। तभी तो इस्लाम धर्म को मानने वाला हर मुस्लमान रमजान का बेसब्री से इन्तजार करता है। रमजान शुरू होते है तो हर रोजेदार की दिनचर्या बदल जाती है। बडे सवेरे उठना और अल्लाह को याद करने के साथ ही पांचो वक्त की नमाज रोजेदार को अल्लाह की इबादत का मौका दिलाती है। रमजान की शुरूआत भी चांद से ही होती है और रमजान पूरे होने पर ईद का जब चांद निकलता है तो सबके चेहरे पर खुशी छा जाती है। दरअसल रमजान के सकुशल बीतने की खुशी में ही अल्लाह को शुक्रिया अदा करने के लिए ही ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है। वही अल्लाह के नेक बन्दो की खिदमत का भी मुबारक मौका है ईद।ईद पर कोई भूखा न रहे ,पडौसी के घर में भी ईद की खुशिया मने और आपसी मोहब्बत व भाईचारे की नई शुरूआत हो यही कौशिश हर किसी की रहती है।तभी तो ईद की सवेरे से ही ईद की खुशिया सब पर हावी हो जाती है। बडे सवेरे से घर में सेवईया बननी शुरू हो जाती है। एक माह तक रोजा रख चुके लोग नये नये कपडे पहनकर ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह जाते है। ईदगाह में नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जाती है। बच्चे नये नये खिलौने खरीदते है। सेवईया और तरह तरह के पकवान खाये जाते है।ईद पर भी गरीबो को दान देने ,उनकी सहायता करने की खास परम्परा है।ताकि हर किसी के चेहरे पर ईद की खुशिया बरकरार रहे।इस्लामी कलैण्डर के दसवें महिने की पहली तारीख को चांद दिखने व तीस रोजे निर्विधन खुदा की इबादत के साथ पूरे होने की खुशी में ईद उल फितर मनाया जाता है। ईद उल फितर की शुरूआत जगं एबदर के बाद सन 624 ईसवी के पैगम्बर मौहम्मद साहब द्वारा ईद उल फितर मनाने से मनाने से हुई थी। रमजान साल का एक अनूठा महिना होता है। इस महिने में हर मुस्लमान जंहा ज्यादा से ज्यादा समय अल्लाह की रहमत में

गुजारना चाहता है। वही वह स्वयं को सुधारने व खुदा के बन्दो के चेहरो पर रौनक लाने के लिए उनके हर गम में शरीक होता है। जो खुदा के बन्दे पैसो से मोहताज है, भूखे है ,लाचार है उनकी हर हाल में मदद कर उन्हे बराबरी पर लाने की कौशिश की जाती है। इस्लाम में हर शख्स को रोजाना ही शरीर और दिमाग से पाक साफ रहने की हिदायत है। लेकिन रमजान के महिने में हर दिन विशेष तौर पर पाक साफ रहने की बात कही गई है ताकि रोजेदार हर तरह के गुनाहो से दूर रहे। आपसी भाईचारे से रहना सीखे। खुदा की इबादत करे। नेकी करे लेकिन ईद उल फितर की खुशी के मौके पर कैसे हो दिन की शुरूआत यह भी इस्लाम में बताया गया है । इस्लाम धर्म के विद्वान कुवँर जावेद इकबाल बताते है कि ईद उल फितर के दिन की शुरूआत फजर की

नमाज के साथ होती है। रमजान में तीस दिनो तक रोजा रख चुके रोजेदारो एवं उनको भी जो बीमारी या फिर किसी अन्य वजह से रोजा नही रख पाए ,को मिस्वाक दातून करने के बाद गुसल नहाना करना चाहिए। फिर साफ कपडे पहनकर कपडो पर इतर की खुशबू के साथ कुछ खाकर ईदगाह जाना चाहिए। ध्यान रहे ईद की नमाज से पहले फितरा और जकात की जरूरी रस्म नही भूलनी चाहिए। यही वह रस्म है जो गरीब और मोहताज पडौसी के चेहरे पर सहायता की रौनक लाती है। इस्लाम मानता है कि मनुष्य में वासनाएं,इच्छाएं,और भावनाएं प्राकृतिक रूप से समाहित है इसी कारण उसके स्वभाव में तेजी,उत्तेजना और जोश होता है। जिसे जड से तो समाप्त नही किया जा सकता लेकिन नियन्त्रित जरूर किया जा सकता है। इस नियन्त्रण के लिए ही रमजान में रोजो की व्यवस्था की गई है। ताकि मनुष्य अल्लाह को याद करने के साथ साथ अपने अन्दर की बुराईयों को दूर करते हुए आत्म नियन्त्रण करना सीखे और एक अच्छे भले इंसान के रूप में अपने जीवन का यापन करे। वैसे तो इस्लाम में हर रोज पांच वक्त की नमाज पढने की हिदायत दी गई है। लेकिन रमजान के दिनो में चूंकि हर रोजेदार अल्लाह के करीब होता है इसलिए पांचो वक्त की नमाज पढना वह अपना समझता है। रोजा रखने से जहां पेट बिलकुल ठीक रहता है और शरीर का शुद्धिकरण हो जाता है। वही पांचो वक्त की नमाज पढने से उसकी योगिक क्रियाएं भी हो जाती है। नमाज की शरीरिक स्थिति इस तरह की होती है कि सभी तरह के आसन और प्राणायाम अल्लाह की इबादत में पूरे हो जाते है। ईदगाह में ईद की नमाज अदा करते समय तकबीर पढे,अल्लाह हु अकबर अल्लाह हु अकबर लाईलाह इल्लाह अल्लाह हु अकबर बडा है अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक नही । सारी तारीफे अल्लाह के लिए है। ईदगाह की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को ईद की बधाई देने व लेने में जो खुशी मिलती है उसको जरूर प्राप्त करना चाहिए। ईद की बधाई में सिर्फ मुस्लमान ही नही हिन्दू,सिख और ईसाइ भी शरीक होते है। यह वह त्योहार है जो हमे इंसानियत की सीख देता है। जो दूसरो की भलाई का जज्बा देता है और मुल्क की तरक्की व हिफाजत का जुनून देता है। ईद की खुशी रोजेदारो को तभी से मिलनी शुरू हो जाती है। जब रमजान में रोजेदार मुस्लमानो के साथ साथ दूसरे धर्मो से जुडे लोग भी रोजा इफतार की रस्म में शरीक होकर आपसी भाईचारे व एकता का पैगाम देते है। रोजा इफतार कार्यक्रमो का सिलसिला रमजान में लगातार चलता है। राजनीतिक पार्टियों से लेकर स्वयंसेवी संस्थाएं भी रोजा इफतार के कार्यक्रम करके रोजेदारो की रोजा इफतारी कराकर शबाब कमाती है।लेकिन साथ ही रोजा इफतारी के राजनीतिक स्वरूप ले लेने से इसके मकसद के साथ खिलवाड भी होने लगा है।आज प्रधानमन्त्री से लेकर छोटे से छोटे राजनेता भी रोजा इफतारी का कार्यक्रम कराने लगे है। कुछ लोग इसका नाजायज रूप में राजनीतिक इस्तेमाल भी कर रहे है। जिससे इसकी पवित्रता प्रभावित होती है। इसलिए हमे केवल ओर केवल धार्मिक भावना के तहत ही रोजा इफतारी कराकर रोजेदारो की खिदमत करनी चाहिए और ईद पर भी उन्हे तहेदिल से गले लगाना चाहिए। तभी ईद का मजा दोगुना हो सकता हैऔर ईद से नई उम्मीदो,नईरोशनी व नये रिश्तो की शुरूआत हो सकती है।जिसके पीछे मात्र दिखावा कदापि न हो, यानि हर इंसान दिल से जश्न मनाये ईद का,यही अल्लाह का पैगाम भी है।

एकता एवं अखंडता भारत की शक्ति

"एकता में अटूट शक्ति है" ग्रीक कथाकार एशॉप द्वारा प्राचीन युग के दौरान इस वाक्यांश को सर्वप्रथम उपयोग किया गया था। कथाकार ने इसका अपनी कथा "द ऑक्सन एंड द लायन" में प्रत्यक्ष रूप से और "द बंडल ऑफ स्टिक्स" में अप्रत्यक्ष रूप से इसका उल्लेख किया था। ईसाई धार्मिक पुस्तक में भी ऐसे ही शब्द शामिल हैं जिनमें प्रमुख हैं "अगर एक घर को विभाजित कर दिया जाता है तो वह घर दोबारा खड़ा नहीं हो सकता" इसी पुस्तक के दूसरे वाक्यांश हैं " यीशु अपने विचारों को जानते थे और कहते थे " हर राज्य जिसमें फूट पड़ी है वह उजड़ गया है और हर एक नगर या घर जो विभाजित है वह खुद पर निर्भर नहीं रहता।

अमेरिकन इतिहास में यह वाक्यांश पहले क्रांतिकारी युद्ध के अपने पूर्व गीत "द लिबर्टी सॉन्ग" में जॉन डिकिन्सन द्वारा इस्तेमाल किया गया था। यह जुलाई 1768 में बोस्टन गैजेट में प्रकाशित हुआ था। दिसंबर 1792 में केंटकी की जनरल असेंबली ने राष्ट्रमंडल की आधिकारिक मुहर को राज्य के आदर्श वाक्य के साथ अपनाया "एकता में अटूट शक्ति है"। 1942 से वाक्यांश केंटकी की आधिकारिक गैर-लैटिन राज्य का आदर्श वाक्य बन गया। यह वाक्यांश मिसौरी ध्वज पर सर्कल में केंद्र के चारों ओर लिखा गया है। यह वाक्यांश ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के संघर्ष के दौरान भारत में लोकप्रिय हुआ। इसका उपयोग लोगों को एक साथ लाने और स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करने के लिए किया गया था। अल्टर वफादारों ने भी इस वाक्यांश का इस्तेमाल किया है। इसे कुछ वफादार उत्तरी आयरिश भित्ति चित्रों में देखा जा सकता है।

वाक्यांश "एकता में अटूट शक्ति है" का उपयोग विभिन्न कलाकारों द्वारा कई गानों में भी किया गया है। एकता का मतलब संघ या एकजुटता से है। एकजुट रहने वाले लोगों का समूह हमेशा एक व्यक्ति की तुलना में अधिक सफलता प्राप्त करता है। यही कारण है कि लगभग हर क्षेत्र जैसे कार्यालय, सैन्य बलों, खेल आदि में समूह बनाए जाते हैं। व्यक्तिगत जीवन में भी हम परिवार में एक साथ रहते हैं जिससे हमें अपने दुखों को सहन करने और सफर तय करके शिकार करता था फिर मनुष्य ने यह महसूस किया कि अगर वह अन्य शिकारियों के साथ हाथ मिला लेता है तो वह कई आम खतरों और चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होगा। इस तरीके से गांवों का निर्माण हुआ जो बाद में कस्बों, शहरों और देशों में विकसित हुए। एकता हर जगह आवश्यक है क्योंकि यह एक अस्वीकार्य प्रणाली को बदलने के लिए इच्छा और शक्ति को मजबूत करती है।

एकता मानवता का सबसे बडा गुण है। जो एक टीम या लोगों के समूह द्वारा हासिल किया जा सकता है वह कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं प्राप्त कर सकता है। असली ताकत एकजुट होने में निहित है। जिस देश का नागरिक एकजुट है तो वह देश मजबूत है। जिस परिवार के सदस्य एक साथ रहते हैं तो वह परिवार भी मजबूत है। कई उदाहरण हैं जो यह साबित करते हैं कि एकता में अटूट शक्ति है।

संगीत या नृत्य मंडली में भी यदि समूह एकजुट है, सद्भाव में काम करते हैं और सुर-ताल बनाए रखते हैं तो परिणाम आशावादी होंगे वहीं अगर हर व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत प्रतिभा दिखाने शुरू करता है तो परिणाम अराजक और विनाशकारी हो सकते हैं। एकता हमें अनुशासित होना सिखाती है। यह हमारे लिए विनम्र, विचारशील, सद्भाव और शांति में एक साथ रहने के लिए सबक है। एकता हमें चीजों की मांग और परिणाम प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास और शक्ति देती है। यहां तक कि कारखानों आदि में भी मजदूरों को यदि उनके मालिकों द्वारा प्रताड़ित या दबाया जाता हैं तो वे समूह के रूप में यूनियन बनाकर काम करते हैं। जो लोग अकेले काम करते हैं उन्हें आसानी से हराया जा सकता है और वे अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए आत्मविश्वास से काम नहीं कर सकते लेकिन अगर वे समूहों में काम करते हैं तो नतीजे चमत्कारी

प्रयागराज में हिन्दू जनजागृति समिति आयोजित राज्य स्तरीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशनसंपन्न !

वर्ष 2025 तक भारत में हिन्दू राष्ट्र का संकल्प लेकर एकत्र हुए हिन्दुत्वनिष्ठ और अधिवक्ता !

प्रखर प्रयागराज । वर्ष 1976 में भारत पर लादी गई धर्मनिरपेक्षता दूर हटाकर हिन्दुओं को समान संवैधानिक अधिकार मिले एवं वर्ष 2025 में भारत में धर्माधिष्ठित हिन्दू राष्ट्र की स्थापना हो ऐसा संकल्प लेकर रविवार 1 मई को प्रयागराज के सिविल लाइन्स स्थित हिन्दुस्थानी एकेडमी में हिन्दू जनजागृति समितिद्वारा राज्यस्तरीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन अधिवेशन संपन्न हुआ! इस अधिवेशन में उत्तरप्रदेश के प्रयागराज, भदोही, प्रतापगढ के विविध हिन्दू संगठनों के हिन्दुत्वनिष्ठ, अधिवक्ता एवं उद्योगपति एवं समाजसेवी सम्मिलित हुए। शंखनाद, दीप प्रज्वलन तथा और वेदमंत्र से अधिवेशन का आरंभ हुआ। हिन्दू जनजागृति समिति के धर्मप्रचारक संत पूजनीय निलेश सिंगबाळ जी ने कहा कि आज हिन्दुबहुल भारत में हिन्दुओं के नववर्ष, रामनवमी और हनुमान जयंती के दिन आयोजित शोभायात्रा पर जिहादीहमले हो रहे हैं। हमले हुए अनेक स्थानों से हिन्दुओं का पलायन आरंभ हुआ है। वाराणसी के बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में दीवारों पर कश्मीर तो झांकी है, पूरा भारत बाकी है ऐसे राष्ट्र विरोधी नारे लिखे जारहे हैं। लव जिहाद, लैंड जिहाद, धर्मांतरण, थूक जिहाद के भयंकर षड्यंत्र जारी हैं। हलाल सर्टिफिकेशन के माध्यम से भारत में इस्लामी अर्थव्यवस्था खडी कर हिन्दू समाज को बेरोजगार बनाने का षड्यंत्र किया जा रहा है। अंत में सभी का आवाहन करते हुए उन्होंने कहा कि इन सभी समस्याओं का समाधान केवल धर्माधिष्ठित हिन्दू राष्ट्र की स्थापना ही है । हिन्दू राष्ट्र की स्थापना केवल मत नहीं व्रत होना चाहिए । राष्ट्र अथवा धर्म पर संकट के समय धर्म के पक्ष में रहना, हम सभी का सामूहिक दायित्व है । वर्ष 2025 के उपरांत सत्त्वगुणी हिन्दुओं की ओर से भारत में हिन्दू राष्ट्र की स्थापना होगी । इसलिए सभी संगठनों ने एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है । इस अधिवेशन में सनातन एकता मिशन, माधोसिंह सेवा मंडल, राष्ट्रीय हिन्दू संगठन, सनातन हितकारीणी न्यास, भारत माता की जय, राष्ट्रीय सनातन वाहिनी, सनातन संस्था आदि संगठन एवं अधिवक्ता सहभागी हुए थे । अधिवेशन का समापन वंदे मातरम से हुआ । अधिवेशन स्थल पर राष्ट्र एवं धर्मशिक्षा, दिनचर्या, धर्माचरण संबंधी फ्लेक्स प्रदर्शनी लगायी गयी थी ।

करीब 80 देशों में होता है टूना का बड़े स्तर पर शिकार

विश्वभर में मछलियों की 30 हजार से भी ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कुछ असाधारण अथवा विशेष मानी जाती हैं। इन्हीं प्रजातियों में से एक है टूना मछली, जिसका दुनियाभर के कई देशों में बड़े पैमाने पर शिकार किए जाने के कारण इसके अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इसी कारण अब इसके संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2016 में संयुक्त राष्ट्र ने मछली पालन, मछलियों के शिकार और टिकाऊ विकास में मछलियों की अहमियत की ओर सभी का ध्यान आकर्षित करने के लिए टूना दिवस मनाने का निश्चय किया और 2 मई 2017 को पहला विश्व टूना दिवस मनाया गया। अब प्रतिवर्ष 2 मई को यह दिवस विश्वभर में इस मछली के महत्व को रेखांकित करने और पकड़ी तथा खाई जाने वाली विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय मछलियों को बचाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। टूना मछलियां पकड़े और खाये जाने के मामले में दुनिया की सबसे लोकप्रिय मछलियों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्व अध्यक्ष पीटर थॉमसन के अनुसार टूना सतत विकास, खाद्य सुरक्षा, आर्थिक अवसर प्रदान करने और दुनिया भर के लाखों लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस समय करीब 80 देशों में टूना मछली का शिकार होता है। दरअसल बहुत सारे देशों में टूना मछली नियमित खान-पान का अहम हिस्सा है और इन देशों की बहुत बड़ी आबादी टूना मछली पर ही निर्भर है क्योंकि यह पौष्टिक भोजन का अच्छा स्रोत मानी गई है। इन मछलियों का शिकार कितने बड़े स्तर पर किया जा रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इनकी सी-फूड के अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में करीब आठ फीसदी हिस्सेदारी है जबकि समुद्र से पकड़ी जाने वाली मछलियों की सभी प्रजातियों के कुल मूल्य का 20 फीसदी टूना मछलियों की बिक्री से ही हासिल होता है। बीते वर्ष टूना मछलियों का शिकार करीब एक लाख टन तक होने का अनुमान है। जनवरी 2019 में टोक्यो के नए मछली बाजार में लुप्तप्रायः प्रजाति की एक विशालकाय टूना मछली 21.5 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड

कीमत पर बिकी थी, जिसे सूशी रेस्तरां श्रृंखला के मालिक ने खरीदा था। जापान के उत्तरी तट से पकड़ी गई यह विशाल मछली 278 किलोग्राम की थी। नाउरू समझौते के तहत टूना का शिकार करने के दिनों को सीमित करने की व्यवस्था है और प्रशांत क्षेत्र में वर्ष 2011 से ही नाउरू समझौते के साझीदार कई ऐसे देश, जिनका दुनियाभर में टूना के उत्पादन में करीब 25 फीसदी योगदान रहता है, विश्व टूना दिवस मनाए जाने के लिए अभियान चलाते रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2016 में यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। दुनिया भर में टूना मछली की खपत बढ़ने का ही परिणाम है कि हजारों जहाज, नाव और लाखों लोग टूना मछली के शिकार और कारोबार में लिप्त हैं और यही कारण है कि टूना मछली के अस्तित्व पर खतरा मंडराने की आशंकाएं जताई जाने लगी हैं। टूना खारे पानी की समुद्री मछली है, जो मैकेरल परिवार के एक उप-समूह जनजाति थ्युननिनी के अंतर्गत आती है। इसकी विश्वभर में 48 से भी अधिक प्रजातियां हैं, जिनमें मुख्यतः थुन्नुस वर्ग की 9 प्रजातियां शामिल हैं। ये प्रजातियां हैं एल्बाकोर, येल्लोफिन टूना, ब्लैकफिन टूना, दक्षिणी ब्लूफिन टूना, बिगआई टूना, पैसिफिक ब्लूफिन टूना, उत्तरी ब्लूफिन टूना, लॉन्गटेल टूना, करासिक टूना। टूना मछली को सेलेनियम, विटामिन बी-3 (नियासिन), विटामिन बी-12, विटामिन बी-6, प्रोटीन, फास्फोरस, विटामिन डी तथा पोटेशियम का अच्छा स्रोत माना गया है। सिर्फ सूर्य की रोशनी से ही मिलने वाला विटामिन डी टूना मछली में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहता है। कहा जाता है कि टूना मछली हाई क्वालिटी प्रोटीन वाली मछलियों में से एक हैं, जिनमें बहुत ही कम वसा होती है और यह मछली काफी पौष्टिक मानी जाती है। टूना मछली एक फुट से 15 फुट तक लंबी हो सकती है। यह एक तेज तैराक मछली है, जिसकी कुछ प्रजातियां तो 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तैरने में सक्षम हैं। अधिकांश मछलियों का मांस प्रायः सफेद रंग का होता है किन्तु टूना की मांसपेशियों के उत्तकों का रंग गुलाबी से लेकर गहरा लाल होता है। यह लाल रंग एक ऑक्सीजन बाध्यकारी अणु मायोग्लोबिन के कारण होता है, जिसकी मात्रा मछलियों की अन्य प्रजातियों की तुलना में टूना में अधिक होती है। ब्लूफिन टूना जैसी कुछ बड़ी टूना प्रजातियां गर्म खून वाली होती हैं, जो अपनी मांसपेशियों को हिलाकर अपने शरीर के तापमान को पानी के तापमान से अधिक बढ़ा सकती हैं, जो उन्हें अपेक्षाकृत ठंडे पानी में जीवित रहने और अन्य प्रजातियों की मछलियों की अपेक्षा समुद्र के विविधतापूर्ण वातावरण में रहने के लिए सक्षम बनाता है। समुद्रों में जल प्रदूषण के कारण टूना सहित मछलियों की अन्य हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी खतरा मंडरा रहा है और उनके अनिश्चित भविष्य को लेकर स्थिति चिंताजनक है। अतः वैश्विक स्तर पर समुद्री पर्यावरण की सेहत सुधारने के लिए भी अब ठोस प्रयासों की दरकार है ताकि न केवल मछलियों बल्कि दुनियाभर के समुद्रों में मौजूद अन्य हजारों किस्म की प्रजातियों के जीव-जंतुओं का अस्तित्व भी बना रहे और हमारी आने वाली पीढ़ियों को किताबों में यह पढ़ने को न मिले एक थी टूना ...।

विश्व हास्य दिवस विशेष

आइए मिलकर हंसें सबको हंसाएं

हंसता-मुस्कुराता हुआ चेहरा सभी को अच्छा लगता है। हंसी एक तरंग की तरह आस-पास के वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है। तन-मन की तमाम व्याधियों के दुष्प्रभावों को दूर करने में हास्य रूपी दवा कमाल का असर दिखाती है। फिर क्यों हम इससे परहेज करें, क्यों ना खुद भी हंसें और दूसरों को भी हंसाएं...

आज के दौर में जिधर देखो आगे बढ़ने की, सब कुछ पा लेने की होड़-सी लगी हुई है। लेकिन यह होड़ कब हमें चिंताओं के भंवर में उलझा देती है, कब हम तनाव में घिर जाते हैं, पता ही नहीं चलता। इसके चलते हम कुदरत के दिए हास्य के वरदान का उपयोग करना भी भूल जाते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि एक हंसी, जीवन में नई उमंग, उल्लास और ऊर्जा भर सकती है। इससे ना सिर्फ हमारा मन-मस्तिष्क बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रह सकता है। विशेषकर आज के दौर की अनियमित दिनचर्या, काम के दबाव, तनाव और अन्य प्रकार की मानसिक समस्याओं का सामना करते हुए हंसी की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई है, फिर भी खुलकर नहीं हंस रहे हैं हम।

नहीं चाहिए कोई बहाना

'ब्रेक फ्री फ्रॉम स्ट्रेस' की संस्थापक पूनम मदान के अनुसार, 'हंसने के लिए किसी खास वजह की जरूरत नहीं होती है। हम एक नन्हे बच्चे की अजीबो-गरीब हरकतों को देखकर भी हंस सकते हैं, खुश हो जाते हैं। खुश रहने से तनाव दूर होता है। हम अपने दर्द से मुक्ति पाने का रास्ता ढूंढ़ पाते हैं। चिंताएं कम होती हैं, तो आत्महत्या या खुद को प्रताड़ित करने जैसे ख्यालात नहीं आते हैं। हास्य से भय, तनाव और अवसाद जैसे मनोविकार दूर होते हैं।' लेखिका आरती भी हंसने के महत्व को स्वीकारते हुए कहती हैं, 'हंसना उतना ही आवश्यक है, जितना श्वांस लेने के लिए हवा और प्यास बुझाने के लिए पानी। जीवन का हर क्षण अनमोल है। उनका आनंद उठाने का प्रयास करना चाहिए।'

लाफ्टर योगा कराते डॉ. मदन कटारिया (मध्य में)

बीते दो वर्षों में कोविड महामारी ने वैसे भी हमें बहुत सारे सबक दिए हैं। हमारे जीने के अंदाज को बदला है, हम अपने स्वास्थ्य को लेकर कहीं अधिक सचेत हो गए हैं। ऐसे में बेहतर सेहत के लिए मुफ्त में उपलब्ध हास्य औषधि का सेवन हमें अधिक से अधिक करना चाहिए। इससे बड़ी से बड़ी बीमारी को दूर करने में मदद मिलती है। यह स्वयं के साथ सामने वाले की मानसिक स्थिति को भी बदल सकती है।

तन-मन को रखे स्वस्थ

ऐसे कई उदाहरण आस-पास देखे जा सकते हैं, जिसमें हंसने की वजह से तन-मन को स्वस्थ रखने में मदद मिली। मिसाल के तौर पर सोफिया को ही लें। एक समय जीवन के कठिन दौर से गुजर रही थी वह। रीढ़ की हड्डी में तकलीफ होने के कारण कुछ क्षण स्थिर बैठ पाना तक मुश्किल हो गया था। मन की हालत तो और चिंताजनक थी, तभी उनकी मुलाकात लाफ्टर योग विशेषज्ञ अंजू साहनी से हुई और वह उनके सेशन में जाने लगी। दो सेशन के बाद ही सोफिया को अपने शारीरिक दर्द में कमी महसूस हुई। लाफ्टर योग ध्यान में वह 20-20 मिनट तक बैठने लगीं। उनका कहना है कि हंसने से स्वस्थ तन-मन पाया जा सकता है।

कई तरह से लाभकारी

हंसने से मस्तिष्क की अल्फा वेन एक्टिव होती है, जो आनंद की अनुभूति कराती है। हंसने से ना सिर्फ मनोदशा में परिवर्तन आता है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। शरीर में रक्त का प्रवाह दुरुस्त होता है। जोर-जोर से हंसने के कारण आप लंबी सांस लेते हैं, जिससे शरीर के अंदर ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में पहुंचती है। सभी अंग स्वस्थ रहते हैं। गहरी नींद आती है।

लाफ्टर योग के सकारात्मक प्रभाव

हंसी और इसके लाभ के बारे में जागरुकता लाने के उद्देश्य से ही वर्ष 1998 में डॉ. मदन कटारिया ने मुंबई में विश्व हास्य दिवस मनाने की पहल की थी। वे विश्व में लाफ्टर योग मूवमेंट के संस्थापक हैं। आज इनके दुनिया भर में 100 से अधिक लाफ्टर योग क्लब संचालित हैं। लोग इसका हिस्सा बनकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। *

लाफ्टर योग को प्रभावी मान रही दुनिया

वैश्विक महामारी के इस दौर में सबसे बड़ी दवा कोई है तो वह है हास्य। अच्छे वक्त पर तो हर कोई हंसता और मुस्कुराता है। लेकिन जो कठिन समय में हंसना जानता है, उनसे साहसी कोई और नहीं। लाफ्टर योग कहीं से कृत्रिम हंसी के लिए प्रेरित नहीं करता, बल्कि दो सौ से अधिक रिसर्च पेपर्स इस तथ्य को पुष्ट करते हैं कि स्वाभाविक हंसी से ज्यादा प्रभावशाली होता है हास्य योग। यही वजह है कि बीते दो वर्षों में हमने जूम पर लाफ्टर योग के अनेक ऑनलाइन सेशन आयोजित किए। दुनिया के अलग-अलग देशों से लोग जूम पर जुड़े और इसका लाभ उठाया। हाल ही में मैंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में लाफ्टर योग क्लब के सेशंस देने शुरू किए हैं। इसके अलावा, कार्यस्थलों, फैक्ट्रियों, स्कूलों व कॉलेजों में भी इसके सत्र हो रहे हैं, ताकि लाफ्टर योग को लेकर जनजागरुकता आ सके। *

माता कौशल्या धाम चंदखुरी

रोचक है यहां का इतिहास

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से करीब 27 किलोमीटर की दूर पर स्थित है चंदखुरी गांव। इस गांव को भगवान राम की माता कौशल्या की जन्म स्थली माना जाता है। यहां तालाब के बीचो-बीच माता कौशल्या का मंदिर मौजूद है, 1973 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया था। त्रेतायुग से जुड़े इस स्थान का इतिहास भी रोचक है। इसी गौरवशाली इतिहास के चलते छत्तीसगढ़ में भगवान राम को भांजे के रूप में पूजा जाता है परंपरा ऐसी है कि आज भी भांजे को श्री राम का प्रतीक मानकर यहां मामा अपने भांजे का पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं।

तालाब के बीच स्थित है माता कौशल्या मंदिर

चंदखुरी में माता कौशल्या मंदिर जलसेन तालाब के बीचो बीच स्थित है। कभी इस इलाके में 126 तालाब हुआ करते थे। फिलहाल 20-25 तालाब ही मौजूद हैं। जलसेन तालाब के बीच में मौजूद होने की वजह से कौशल्या धाम की खूबसूरती और बढ़ जाती है। ऐसा माना जाता है कि राजा दशरथ से विवाह में भेंटस्वरूप राजा भानुमंत ने बेटी कौशल्या को दस हजार गांव दिए थे। इसमें उनका जन्म स्थान चंदपुरी भी शामिल था। चंदखुरी का ही प्राचीन नाम चंदपुरी था। माता कौशल्या को चंदपुर विशेष प्रिय था। राजा दशरथ से विवाह के बाद माता कौशल्या ने तेजस्वी और यशस्वी पुत्र राम को जन्म दिया। जगत पति राजा राम ने अपने बाल्यकाल के अलावा वनवास का भी कुछ समय चंदखुरी में बिताया था। भगवान राम के वनवास से आने के बाद उनका राज्याभिषेक किया गया। राज्याभिषेक के बाद तीनों माताएं कौशल्या, सुमित्रा और कैकयी तपस्या के लिए चंदखुरी ही पहुंची थीं। मान्यता है कि यहां स्थित जलसेन तालाब के पास ही वे तपस्या करती थीं।

राम वन गमन पथ सर्किट का हिस्सा

रघुनंदन की जननी माता कौशल्या का ये दुनिया में इकलौता मंदिर है। इसके बारे में बहुत ज्यादा जानकारी लोगों को नहीं थी। इस स्थान को असल पहचान मिली साल 2021 में जब छत्तीसगढ़ सरकार ने इस क्षेत्र का विकास कर इसका कायाकल्प की। प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ में राम वन गमन परिपथ का निर्माण कर रही है। चंदखुरी से राम वन गमन परिपथ की शुरुआत हुई। 21 अप्रैल 2021 को रामनवमी के दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कौशल्या माता के भव्य मंदिर के नए स्वरूप का लोकार्पण किया।

मंदिर परिसर में बनाया गया है भव्य द्वार

यहां परिसर में भव्य गेट, मंदिर के चारों ओर तालाब का सौंदर्यीकरण, आकर्षक पथ निर्माण किया गया है। रात के वक्त मंदिर परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। शानदार लाइट्स मंदिर को और आकर्षक बनाते हैं। मंदिर चारों ओर से मनमोहक उद्यानों से घिरा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के सीतामढ़ी में हरचौका से लेकर सुकमा के रामाराम तक 2260 किलोमीटर का रम वन गमन पर्यटन परिपथ विकसित किया जा रहा है। पर्यटन परिपथ के जरिए राज्य में न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पर्यटन के नए वैश्विक अवसर भी बढ़ेंगे। राज्य पर्यटन बोर्ड द्वारा तैयार की गई राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना के प्रथम चरण में भगवान राम के वनवास से जुड़े नौ स्थानों को विकसित करने की योजना है।

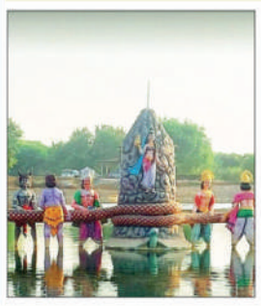

रामलला का ननिहाल है यह जगह

माता कौशल्या का जन्मस्थान होने की वजह से चंदखुरी के साथ ही पूरे छत्तीसगढ़ को रामलला का ननिहाल भी कहा जाता है। हर साल दीपावली के अवसर पर चंदखुरी में भी भव्य उत्सव होता है। दीये जलाए जाते हैं। लोग भगवान राम की विजय और अयोध्या वापसी का जश्न मनाते हैं। चंदखुरी स्थित कौशल्या धाम में दीपावली पर नजारा बेहद खास होता है। पूरा परिसर दीपों की श्रृंखला से जगमगा उठता है।

ऐसे पहुंचे चंदखुरी चंदखुरी की दूरी रायपुर से 27 किलोमीटर है। रायपुर देश के विभिन्न शहरों से रेल, सड़क और वायु मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। रायपुर से बस, टैक्सी, ऑटो के जरिए आसानी से चंदखुरी पहुंचा जा सकता है।

मैं अब से पहले भी तीन बार विदेश जा चुका हूं, लेकिन आने के बाद मैंने वहां के संस्मरण नहीं सुनाए, इसलिए मेरी यात्राओं को मान्यता प्राप्त यात्रा नहीं माना गया है। विदेशी मंच पर रचना सुनाने के बाद भी मेरी पीठ पर लोकल का ठप्पा लगा हुआ है। अब मैं विदेश यात्रा में संस्मरण के महत्व से भली-भांति परिचित हो चुका हूं और ठान लिया हूं कि अब जब भी विदेश यात्रा से लौटूंगा, अपने संस्मरण जरूर सुनाऊंगा।

विदेश यात्रा के संस्मरण

मैंने यह महसूस किया है, जो लोग विदेश जाते हैं लौटकर अपने संस्मरण जरूर सुनाते हैं। जो नहीं सुनाते, उन्हें विदेश गया माना नहीं जाता और गया मान भी लिया तो आया तो हरगिज नहीं माना जाता। मैंने यह भी महसूस किया है कि बहुत से लोग विदेश जाते ही इसलिए हैं, क्योंकि संस्मरण सुनाना है। बहुत से लोगों का यह भी मानना है कि सुनाने के लिए जाना जरूरी नहीं है, यह उनका फन है, जो मेरे पास नहीं है। मैं अब से पहले भी तीन बार विदेश जा चुका हूं, लेकिन आने के बाद मैंने वहां के संस्मरण नहीं सुनाए, इसलिए मेरी यात्राओं को मान्यता प्राप्त यात्रा नहीं माना गया है।

विदेशी मंच पर रचना सुनाने के बाद भी मेरी पीठ पर लोकल का ठप्पा लगा हुआ है। अब मैं विदेश यात्रा में संस्मरण के महत्व से भली-भांति परिचित हो चुका हूं और ठान लिया हूं कि अब जब भी विदेश यात्रा से लौटूंगा, अपने संस्मरण जरूर सुनाऊंगा। मैं संस्मरण सुनाने के लिए मचल रहा था पर विदेश से किसी सम्मेलन के लिए निमंत्रण ही नहीं मिला। एक बार तो मन में ख्याल आया, बिना निमंत्रण के ही चला जाता हूं। तभी ऊपर वाले ने मेरी सुन ली और मैं भी उस मशहूर कहावत से सहमत हो गया कि उसके यहां देर है पर अंधेर नहीं।

मेरे को शिकागो से व्यंग्य रचना सुनाने का निमंत्रण मिला। शिकागो पहुंचते ही मैं वापस आने के लिए तड़पने लगा, संस्मरण सुनाने के लिए। फिर वह समय भी आया, जब मैं विदेश से लौट आया और संस्मरण सुनाने के लिए घर में दोस्तों की खाने-पीने की एक दावत रखी। दावत खाने की ही थी। लेकिन खाना लिखो तो पीना खुद-ब-खुद लिखा जाता है तो मैं क्या करूं? खाने-पीने का बंदोबस्त इसलिए किया गया ताकि सब के सब आएं। सूखे बुलावे पर आधे ही आते हैं और आधे निकम्मों को उसी वक्त बहुत सारे जरूरी काम निकल आते हैं।

दोस्तों की महफिल में मैंने अपनी शिकागो यात्रा के संस्मरण सुनाने शुरू किए।

शिकागो का खूबसूरत हॉल श्रीताओं से खचाखच भरा हुआ था। मैंने उद्घोषक से पहले ही कह दिया था कि वो मेरी तारीफ में कुछ ना कहे, क्योंकि अपनी तारीफ मैं अपने मुंह से जितनी अच्छी कर सकता हूं, उतनी कोई दूसरा अपने मुंह से नहीं कर सकता। इसे कहते हैं, एक तीर से दो शिकार, एक तो मैंने अपनी तारीफ भी अपने तरीके से कर ली और दूसरा उसे झूठ बोलने के गुनाह से भी बचा लिया। किसी सम्मेलन में जब लेखक को बोलने के लिए माइक पर बुलाया जाता है तो बोलने वाले के संबंध में ऐसी-ऐसी बातें बोली जाती हैं, जो किसी ताजा-ताजा स्वर्गीय हुए के लिए ही कहते हैं। दूसरे के मुंह से अपनी तारीफ सुनो तो अपने जीवित होने पर ही शक होने लगता है। एंकर भी इतने जोश में रहते हैं कि होश गवां देते हैं और भूल जाते हैं कि जिंदा लेखक के मुंह पर उसकी तारीफ नहीं की जाती है। फिर तो मेरे मुंह से इस तरह की बातें खुद-ब-खुद निकलने लगीं और मैं मंच से कहते गया।

स्वर्गीय लेखक की बड़ी से बड़ी गलती भी माफ कर दी जाती है, जीवित लेखक की मात्रा की गलती भी माफ नहीं करते हैं। एक श्रद्धांजलि विशेषज्ञ को जब एक लेखक की मृत्यु के दिन श्रद्धांजलि देने के लिए आमंत्रित किया गया तो वह क्लासिकल श्रद्धांजलि बन गई। उसने कहा, 'वह प्रसिद्ध लेखक था, खूबसूरत इंसान था, काबिल बेटा था, जिम्मेदार बाप था... अगर सच में आज उसका निधन हो गया है तो।'

मैं तो मंच पर पहुंचते ही समझ गया था कि शिकागो के मंच से कुछ भी सुनाया नहीं जा सकता। यह ऐसा-वैसा शहर नहीं है, जहां आम खिलाने के बाद मेहमान के सामने पपीता पेश किया जा सके। यहां के लोग अगर अच्छी चीज की तारीफ करते हैं तो कमजोर चीज की बुराई भी खूब करते हैं। बुराई से मेरे को कोई दिक्कत नहीं, लेकिन इसकी सब से खराब बात यह है कि यह सब के समझ में आ जाती है। बाबू साब यह जो शिकागो का जलसा होता है न, वहां एक से एक सुनाने वाले और एक से एक सुनने वाले मौजूद रहते हैं। स्टेज पर यहां से वहां तक शायर और बीच में अकेला गैर शायर। पद्य सुनाने से बहुत ज्यादा कठिन गद्य सुनाना है। शायरी में सब कुछ मंजूर होता है, लेकिन गद्य में स्वीकारने का संकट है। शायरी में बड़ी आसानी से कहा जा सकता है-जाहिद शराब पीने दे मस्जिद में बैठकर। लेकिन जो यही बात गद्य में कहे कि चलो मस्जिद में बैठकर दारू पीने का जुगाड़ करते हैं तो घर के ही लोग लात मार कर घर से निकाल देंगे और बाहर लोग हाथ में पत्थर लिए इंतजार में खड़े मिलेंगे। यह कहना शायरी में ही मुमकिन है कि हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले, जबकि सच्चाई यह है कि हर ख्वाहिश पे घर बिगड़े।

एक बात आप लोग जान लें, शिकागो जाना आसान काम नहीं कि हाथ दिखाकर ऑटो रोका और दस रुपए में चल दिए। अगर वहां जाकर रास्ता भटक गए तो गए काम से। शिकागो में जो बरसों पहले भटके थे, उन्हें आज तक सही राह नहीं मिली है। वहां कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी कलीम साहब के ऊपर थी। अन्य लोगों का कहना था चूंकि कलीम साहब ने हाल ही में बेटी की शादी का इंतजाम किया है, इसलिए वही इसकी जिम्मेदारी को बेहतर अंजाम दे सकते हैं। मैं शिकागो के एयरपोर्ट पर पंहुचा ही था कि कलीम साहब का फोन आ गया और हम दोनों की गुफ्तगू होने लगी-

कलीम साहब ने पूछा, 'मैं आपको पहचानूंगा कैसे?' मैंने कहा, 'मेरे सर पर बाल नहीं हैं।'

उन्होंने कहा, 'बाल तो सैकड़ों लोगों के सिर पर नहीं होते हैं। खुद मेरे सिर पर नहीं हैं तो क्या मैं तुम हो जाऊंगा?'

मैंने कहा, 'मैंने सूट पहना हुआ है।'

वो बोले, 'यह कोई पक्की पहचान नहीं है। सूट पहन देख कर किसी दूल्हे को ले आया तो यहां आकर वह अपनी दुल्हन मांगेगा तो कहां से लाकर दूंगा?' मैंने कहा, 'मेरे मुंह में मेरे अपने दांत हैं।'

वो बोले, 'हम भी अपने मुंह में गैरो के दांत नहीं रखते हैं।'

मैंने कहा, 'हाथ में सूटकेस है, पैर में जूते हैं, जूते में मोजे हैं।' वो बोले, 'कोई और ठोस पहचान बताओ।' मैंने कहा, 'अब और क्या बताऊं? मैंने सुर्ख लाल रंग की अंडरवियर पहन रखी है।'

वो बोले, 'तो ऐसा बताओ ना, जबर्दस्ती इतनी देर से क्या-क्या बोले जा रहे हो। अब तो आपको हम लाखों की भीड़ में भी ढूंढ़ निकालेंगे। थोड़ी ही देर में मैं और कलीम साहब कार में साथ बैठकर होटल जा रहे थे। कलीम साहब से वहां मैंने दो-तीन बहुत अच्छी बातें जानीं। एक यह कि फाइव स्टार होटल में खाना खाना भूखे रहने का सब से महंगा तरीका है, उन होटलों से दूर रहना, जो कहते हैं हम आपको घर जैसा माहौल देंगे। सबसे कीमती बात उनसे यह जानी कि हर आदमी की सफलता के पीछे एक औरत होती है और असफलता के पीछे बहुत सारी औरतें होती हैं।'

अभी मैंने अपने संस्मरण खत्म भी नहीं किए थे कि नौकरों ने खाना लगा दिया। मैंने उन्हें इशारों में मना भी किया, लेकिन लेखक का इशारा पाठक ही समझते हैं और उन्होंने खाने की प्लेटें सजाना जारी रखा। अब मैं कुछ और बातें सुनाना चाहता था पर सब सुनने वाले खाने में व्यस्त हो गए थे, सो मैंने बातों को खा लिया। *

जरूरी तो नहीं

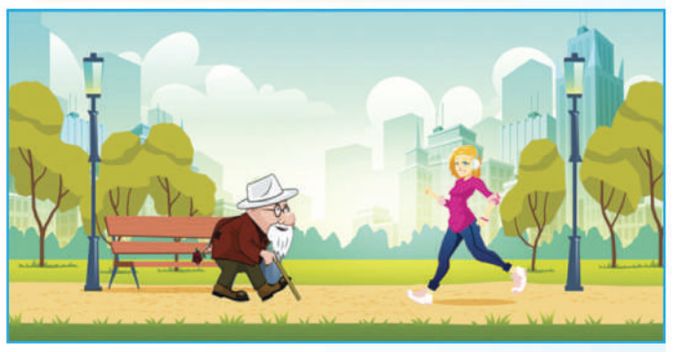

जिससे कल उसने मिलाया था सरेबज्म मुझे,
उसकी वो अपनी ही बेगम हो, जरूरी तो नहीं!
उसकी दो आंखें फिसलने के लिए काफी हैं,
रोज बरसात का मौसम हो, जरूरी तो नहीं!
कुछ तो ऊपर से भी मिलता सी है इस दुनिया में,
सिर्फ तनख्वाह से इनकम हो, जरूरी तो नहीं!
चुनाव जब थे कहा क्या और सुना क्या उसने,
अब भी वो बात पर कायम हो, जरूरी तो नहीं!
तीन साइड के तीन कोणों से बनता है त्रिभुज,
इश्क में सिद्ध यह थ्योरम हो, जरूरी तो नहीं!
यूं अकेले भी कमी आओ मेरी महफिल में,
पूरा हर वक्त ही कोरम हो, जरूरी तो नहीं!
है बुढ़ापे की मोहब्बत, लुढ़क न जाना कहीं,
हर उम्र में वही दम-खम हो, जरूरी तो नहीं!

व्यंग्य स्वर में नेपथ्य लीला

पुस्तक : नेपथ्य लीला (व्यंग्य संग्रह), **लेखक :** ज्ञान चतुर्वेदी, **मूल्य :** 295 रुपए, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

हिंदी साहित्य के वर्तमान परिदृश्य में व्यंग्य विधा के श्रेष्ठ रचनाकारों में ज्ञान चतुर्वेदी का नाम सम्मिलित है। हरिशंकर परसाई और शरद जोशी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने भरपूर और श्रेष्ठ व्यंग्य लेखन किया है। कई बेहतरीन व्यंग्य उपन्यासों के साथ ही वे निरंतर पत्र-पत्रिकाओं में व्यंग्य लिखते रहते हैं। कुछ समय पहले प्रकाशित व्यंग्य संग्रह 'नेपथ्य लीला' में संकलित व्यंग्य रचनाओं में भी उनकी चिर-परिचित चुटीली शैली, बहुअर्थी वाक्य और सीधे चेतना पर प्रहार करने वाले कटाक्षपूर्ण संवादों की ठसक देखी जा सकती है। इसमें समाज, राजनीति, देश-दुनिया के तमाम विषयों पर केंद्रित उनके व्यंग्य पढ़े जा सकते हैं। कुछ व्यंग्यों में इंसानी फितरत और ढकोसलों के साथ शासन तंत्र के खोखलेपन को भी अनावृत किया गया है। मिसाल के तौर पर 'कानून के लंबे, पर उलझे हाथ' व्यंग्य की ये पंक्तियां देखी जा सकती हैं, 'कानून हर पहलू से पड़ताल करेगा। सौ अपराधी भले छूट जाएं पर एक निरपराधी को सजा ना होने पाए-कानून की इस अजीब आदत को हर अपराधी जानता है और वह यह भी जानता है कि वह उन सौ में से है, जो छूट जाएंगे।' ऐसे कई धारदार व्यंग्यों के साथ ही पुस्तक की भूमिका में व्यंग्य विधा को बहुत गहनता से लेखक ने परिभाषित किया है। *

हिंदी बॉक्स ऑफिस पर कन्नड़ सितारे का यश

2018 से पहले तक, हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर, बॉलीवुड की फिल्मों और सितारों का दबदबा हुआ करता था। हालांकि इससे पहले भी बाहुबली सीरीज की दो फिल्मों ने पहले 2015 और फिर 2017 में बालीवुड की फिल्मों को चुनौती देनी शुरू कर दी थी। टॉप टेन ग्रोसर फिल्मों में बाहुबली 2 द कांक्लुजन और बाहुबली 1 द बेगिनिंग का नाम शामिल हो गया। परन्तु आज 2022 में काफी हेरफेर हो चुका है। इसी साल दक्षिण की दो अखिल भारतीय फिल्में आरआरआर और केजीएफ चैप्टर 2 ने दो बालीवुड फिल्मों संजू और पद्मावत को टाप 10 से धकेल दिया।

यश का यश- हिंदी के बाक्स आफिस पर जलवा कन्नड़ सुपरस्टार यश की फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 का जलवा है। यह दो हफ्ते पहले टाप 10 ग्रोसर फिल्मों में शामिल हुई है। इसने कई नए कीर्तिमान बनाए हैं, जिनकी चुनौती बालीवुड के सितारों के सामने होगी। इसने पहले दिन (14 अप्रैल) को हिंदी बाक्स आफिस पर तेज रफ्तार अर्ध शतक 53.95 करोड़ लगा दिया। गांधी जयंती के अवकाश पर प्रदर्शित ऋतिक रोशन और टाइगर श्राफ की फिल्म वार के 53.35 करोड़ की शुरुआत को झुलसा दिया। यश के इस यश का परिणाम था कि केजीएफ 2 ने अगले 9 दिनों में 46.79 करोड़, 42.90 करोड़, 50.35 करोड़, 25.57 करोड़. 19.14 करोड़, 16,35 करोड़, 13,58 करोड़ और 11.58 करोड़ का विशुद्ध कारोबार करने के बाद, 10वे दिन 300 करोड़ क्लब में शामिल हो गई।

यश की चुनौती- इन फिल्मों में से एकाधिक वेहतरीन कारोबार कर सकती है। क्योंकि, अधिकांश फिल्में त्योहारों वाले उपजाऊ शुक्रवार या सप्ताहांत में प्रदर्शित हो रही है। ये फिल्में बड़ी स्टारकास्ट और बजट वाली फिल्में है इसलिए बाक्स आफिस पर 100 या 200 करोड़ का कारोबार कर पाना आसान होगा। उपरोक्त सभी अभिनेताओं की फिल्में बाक्स आफिस टाप टेन में रहा करती थी। यानि इनकी फिल्में घरेलु बाक्स आफिस पर 300 करोड़ तक का आंकड़ा खड़ा कर चुकी है। इसके बावजूद इनके लिए चुनौती पार करना आसान न होगा।

बालीवुड सितारों की फिल्में- केजीएफ 2 के बाद, कुछ सप्ताहों तक, दक्षिण की कोई ऐसी फिल्म प्रदर्शित नहीं होगी, जो बाक्स आफिस पर धमाल करे और हिंदी फिल्मों को चुनौती साबित हो। यह समय, बालीवुड सितारों के लिए खुद की सितारा चमक प्रमाणित करने का होगा। बालीवुड के सितारों की फिल्में प्रदर्शित होने का सिलसिला प्रारंभ हो चुका है। अजय देवगन और अमिताभ बच्चन की फिल्म रनवे 34 और टाइगर श्राफ की एक्शन फिल्म हीरोपंथी 2 प्रदर्शित हो चुकी है। उसके बाद के सप्ताहों में रणवीर सिंह की जयेश भाई जोरदार और सर्कस, अक्षय कुमार की पृथ्वीराज और रक्षाबंधन, रणवीर कपूर की शमशेरा और ब्रह्मास्त्र और आमिर खान की लाल सिंह चड्डा, ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की विक्रम वेद्या की रीमेक, अक्षय कुमार की राम सेतु, वरुण धवन की भेड़िया और सलमान खान की कभी ईद कभी दिवाली रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर खरा- धार्मिक मान्यताओं में 13 का अंक शुभ माना जाता है। बालीवुड की भी 13 ऐसी फिल्में है, जिनमे दम है। ये बाक्स आफिस पर हंगामेदार कारोबार कर सकती हैं। केजीएफ2 ने पहले दो दिनों में 100 करोड़ क्लब में प्रवेश पाया। चौथे दिन 200 करोड़ क्लब के निकट थी। टाइगर श्राफ की हीरोपंथी 2 कर सकती है लेकिन कर नहीं पाएगी। रनवे 34 इसे चाट सकती है। जयेश भाई जोरदार और सर्कस से उम्मीद करना ठीक न होगा। पृथ्वीराज, रक्षा बधन और राम सेतु के लिए भी ऐसा कहा जा सकता है। इन फिल्मों का 200 करोड़ का लाइफ टाइम कलेक्शन ही काफी होगा। लाल सिंह चड्डा और शमशेरा के बारे में तो नहीं पर ब्रह्मास्त्र के बारे में कहा जा सकता है कि इसका प्रारंभ बहुत बढ़िया हो सकता है। कितना, अभी यह कहना उचित नहीं। ■

केजीएफ २ की कीर्ति

इस बार चुनौती यश की होगी। केजीएफ के दुसरे चैप्टर की होगी। यह चुनौती काफी कड़ी साबित होगी। क्योंकि, अब यह चुनौती यश की फिल्म केजीएफ2 की होगी। यह दूसरे सप्ताहांत में ही 300 करोड़ क्लब में प्रवेश कर जाएगी। सिर्फ दो वीकेंड में 300 करोड़ का आंकड़ा छूना तो आमिर खान, सलमान खान के लिए स्वप्न देखने जैसी बात होगी। केजीएफ 2 9वें दिन ही 280 करोड़ से अधिक का विशुद्ध कारोबार कर चुकी थी। उम्मीद की जा रही थी कि यह 10वें दिन 300 करोड़ क्लब में पहुंच जाएगी। ऐसा हुआ भी।

रीमेक कैदी (कैथी)

मौलिकता के अभाव में बालीवुड दक्षिण की फिल्मों की भूल भुलैया में घूम रहा है। इस बार उसकी खोज तमिल अभिनेता कार्ति की तमिल एक्शन फिल्म कैथी (कैदी) पर टिकी हुई हैं। तमिल फिल्म में कैदी की प्रमुख भूमिका कार्ति ने की थी। वह फिल्म में अपनी बेटी से मिलने के लिए व्याकुल कैदी की भूमिका कर रहे हैं, जो बेटी के लिए भ्रष्ट पुलिस वालों के अपराध में शामिल हो जाता है। फिल्म अजय देवगन प्रमुख भूमिका में हैं। तब्बू फिर साथ है। निर्देशन धर्मेन्द्र शर्मा ने किया है। यह फिल्म 30 मार्च 2023 को प्रदर्शित होगी।

पहली महिला सुपर हीरो इन्द्राणी

पिछले साल, निर्माता-निर्देशक अली अब्बास जफर ने घोषणा की थी कि वह कैटरीना कैफ को लेकर भारत की पहली महिला सुपर हीरो प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। मगर, भारत की पहली महिला सुपर हीरो की कल्पना सपना 27 अक्टूबर को पूरा हो जाएगा, जब निर्माता, लेखक और निर्देशक स्टेफेन की फिल्म इन्द्राणी में पहली महिला सुपर हीरो को देखने का अवसर मिलेगा। इसमें इन्द्राणी की भूमिका यानीया भारद्वाज कर रही है। फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। वीएफएक्स पर काम होना बाकी है। यह फिल्म स्टेफेन की दो साल की तैयारी का नतीजा है। पहले इन्द्राणी की भूमिका के लिए किसी जानी मानी अभिनेत्री को लेने के योजना थी पर विशाल फुरिया की हारर फिल्म छोरी में सुर्नेनी के भूत की भूमिका करने वाली यानीया भारद्वाज को फाइनल कर लिया गया। यह पांच भाषाओं हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में प्रदर्शित होगी।

वरुण धवन का हुआ चालान

वरु ण धवन निर्देशक नितीश तिवारी की फिल्म बवाल की शूटिंग कानपुर में कर रहे थे। उन्होंने रायल एनफील्ड मोटर साइकिल चलाई। इसमें वह हेलमेट नहीं पहने थे। इस पर पुलिस कर्मी ने उनका चालान काट दिया। आनन फानन में उत्तर प्रदेश पुलिस ने वरुण को ऑन लाइन दो नोटिस भेज दिए। जब यह मामला सोशल मीडिया के जरिए धवन के कानपुर के प्रशंसकों के संज्ञान में आया तो वे पुलिस के उच्च अधिकारियों से मिले। चालान को निरस्त कर दिया गया निर्माता साजिद नाडियाडवाला और नितेश तिवारी ने निर्णय लिया कि आगे की शूटिंग कानपुर के बजाय लखनऊ में होगी।

रणबीर के एनिमल की शूटिंग शुरू

अपनी पहली तेलुगु फिल्म अर्जुन रेड्डी से सफलता का झंडे गाड़ने वाले निर्देशक संदीप वंगा रेड्डी को इस फिल्म के हिंदी रीमेक कबीर सिंह को निर्देशित करने का मौका मिला। शाहिद कपूर के साथ इस हिंदी रीमेक को बड़ी सफलता मिली। इसके साथ ही बालीवुड में संदीप के रास्ते खुल गए। उन्हें रणबीर कपूर के लिए फिल्म एनिमल निर्देशित करने का अवसर मिल गया। इसकी शूटिंग मनाली में शुरू हो गई है। फिल्म में शीर्षक भूमिका में रणबीर कपूर के साथ पुष्पा की श्रीवल्ली रश्मिका मन्दाना नायिका हैं। सहायक भूमिकाओं में अनिल कपूर और बाबी देओल हैं।

भूल भुलैया 2 के रूह बाबा कार्तिक आर्यन

अक्षय कुमार, परेश रावल, विद्या बालन, अमीषा पटेल और शाइनी आहूजा की हारर कामेडी फिल्म भूल भुलैया (2007) का सीक्वल भूल भुलैया2 पंद्रह साल बाद प्रदर्शित होने जा रहा है। इसमें अक्षय नहीं हैं। कार्तिक आर्यन उनकी जगह आ गए हैं कियारा आडवाणी और तब्बू है। मोशन पोस्टर में तब्बू का भयभीत चेहरा नजर आ रहा है। तब्बू और कार्तिक आर्यन भाभी-देवर की भूमिका कर रहे हैं। सीक्वल में मंजुलिका की आत्मा का सामना करने के लिए कार्तिक आर्यन के रूह बाबा आगे आए हैं। निर्देशक अनीस बज्मी है। फिल्म 20 मई को प्रदर्शित होने जा रही है।

निर्देशक बने हिमांशु मलिक

हिमांशु मलिक, अनुभव सिन्हा की फिल्म तुम बिन (2001) में अभिज्ञान की भूमिका करने वाले अभिनेता। हालांकि, हिमांशु का हिंदी फिल्म करियर 1996 में प्रदर्शित फिल्म कामसूत्र अ टेल आफ लव में व्यापारी की भूमिका से हो गया था। रामगोपाल वर्मा की फिल्म जंगल में पत्रकार की भूमिका करने के बाद, उन्हे तुम बिन में खामोश प्रेमी की भूमिका में स्वयं को स्थापित करने का अवसर मिला। इसके बाद, वह ख्वाहिश से लेकर 3 स्टोरीज तक दर्जन भर फिल्मों में दिखाई दिए। उसके बाद वह गायब हो गए। अब उनके निर्देशन में चित्रकूट की दिलचस्प प्रेमकहानी काफी जटिल है, इसमें रोमांटिक भूमिकाएं औरित्रा घोष, विभोरे, नैना त्रिवेदी, किरण श्रीनिवास और श्रुति बापना कर रही हैं। फिल्म 20 मई को प्रदर्शित हो रही है।

अवंतिका है उत्साहित

अवंतिका हुंदल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के मोसे छल किए जाए में सौम्या (विधि पांड्या) की कजिन प्रिशा का किरदार निभा रही हैं। अवंतिका ने कहा, रोल की अपनी चुनौतियां हैं इसीलिए मैंने ये रोल चुना। मैंने काफी साफ्ट और चुलबुले रोल्स किए हैं। अपनी जिंदगी से उसकी बड़ी ख्वाहिशें हैं।

टीवी

मंत्रालय के साथ नेटफ्लिक्स की साझेदारी

नेटफ्लिक्स और सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने साझेदारी की है। इसके तहत 'आजादी की अमृत कहानियां' शीर्षक से लघु वीडियो की सीरीज तैयार की जाएगी। नीना गुप्ता ने सूत्रधार की भूमिका निभाई है। यह समकालीन नायकों ने जीवन के प्रेरणास्पद सफर के दौरान तमाम बाधाओं को पार किया और विज्ञान से लेकर खेल तक खास कार्यों को अंजाम दिया और विशिष्ट पहचान बनाई। 'आजादी की अमृत कहानियां' सीरीज के वीडियो अब मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफार्म और दूरदर्शन पर उपलब्ध हैं।

मानसी, तन्वी और मनुज पुलिस के अवतार में

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के क्राइम पेट्रोल 2.0 ने पुलिस के नजरिए से सुनाई गई अपराधों पर आधारित है। शो में पीआई राधिका पवार की भूमिका में मानसी कुलकर्णी, एचसी पिकी सितोले की भूमिका में तन्वी कुमार और पीएसआई संजय गुप्ता की भूमिका में मनुज वालिया होंगे। मानसी ने कहा- काफी रोमांचित हूं। राधिका निडर है और काम को लेकर जोश से भरी है। मनुज साझा करते हैं, जब मैं मुंबई आया था, तब क्राइम पेट्रोल शुरू ही हुआ था, इसमें भूमिका निभाना मेरा सपना था।

पवनदीप का जन्मदिन मनाया

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का घरेलू किड्स सिंगिंग रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर 2 के कप्तान पवनदीप को जन्मदिन का सरप्राइज देने की योजना बनाई। पवनदीप राजन कहते है, मुझे बहुत भावुक कर दिया क्योंकि मेरे दिल को छुआ। मैं अपने इस खास दिन को मनाने का इससे बेहतर तरीका नहीं सोच सकता था।

कड़ी मेहनत से पाया-

पीयूष सहदेव

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो, बड़े अच्छे लगते हैं २, में रोमांटिक जोड़ी- राम और प्रिया, को दुविधा में डाल दिया है। पीयूष सहदेव का किरदार कृष, प्राइवेट जासूस और पत्रकार होने के साथ ही प्रिया का कालेज समय का दोस्त है।

किरदार- मैंने पहले भी पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है, लेकिन कभी जासूस की भूमिका नहीं निभाई। इसलिए, मैंने फिट रहने के लिए बहुत कसरत की। मैं हमेशा से एकता कपूर का प्रशसक रहा हूं। मेहनत करने वाले लोगों की ऊर्जा मुझसे मेल खाती है। जिससे यह मेरे दिल के और करीब आ गया है। हम सब मिलकर इतिहास रचेंगे।

भूमिका- इस किरदार के पूरे प्रारूप ने मुझे आकर्षित किया। यह मेरे लिए बहुत अच्छा अवसर है। मैं रोमांचित था। पूरी कास्ट इतने मेहनती है कि मुझे साथ काम करने पर गर्व महसूस हो रहा है। चाहे दिशा हो या नकुल या फिर कास्ट सभी जोश से भरपूर और उत्साही हैं। मैं न्यूकमर की तरह महसूस नहीं करता। जब आपको प्यार मिलता है तो बहुत संतोष मिलता है। ■

लॉक अप से बाहर अली मर्चेंट

कंगना रनौत का बेबाक रियलिटी शो फिनाले के करीब पहुंच रहा है। वाइल्ड कार्ड के तौर पर शो में एंट्री करने वाले अली मर्चेंट को फिनाले की रेस से बाहर कर दिया गया। अली ने अपने डीजे के करियर के कारण असफल दूसरी शादी और पूर्वपत्नी की रूढ़िवादी परवरिश के बारे में बताया था। अली ने पूर्व पत्नी सारा खान के साथ भी रूखा व्यवहार किया था, सारा ने खुलासा किया था कि अली ने अपने स्पा कर्मचारी के साथ मिलकर उसे धोखा दिया था। लाक अप' एमएक्स प्लेयर और आल्ट बालाजी पर लाइव स्ट्रीम किया जा रहा है।

प्रेम कहानी में निहारिका और स्वाति

जीटीवी नई फिक्शन पेशकश 'प्यार का पहला नाम राधा मोहन' वृंदावन की प्रेम कहानी है। जहां मोहन के रोल के लिए शवीर अहलुवालिया है, वहीं निहारिका राय व स्वाति शाह 15 साल बाद वापसी कर रही हैं। निहारिका बताती हैं- मैं बेहद उत्साहित हूं। मैं राधा से काफी मिलती-जुलती हूं। वह आध्यात्मिक और आशावादी लड़की है और मैं भी वैसी ही हूं।

सुधांशु बने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता

2022 का पहला पुरस्कार, 'इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवार्ड' में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, शो कैटेगरी सर्वश्रेष्ठ नाटक, कामेडी, पौराणिक, सहित कई श्रेणियों को सम्मानित किया जाता है। इस साल 'बेस्ट एक्टर-ड्रामा' के लिए अभिनेता सुधांशु पांडे ने जीता, जिसे 'अनुपमा' शो में वनराज शाह की भूमिका में हैं। सुधांशु पांडे ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। पुरस्कार कड़ी मेहनत की पहचान है। मैं खुद को पूरी तरह से पुरस्कृत महसूस कर रहा हूं।

भगवान विष्णु का रोल निभाएंगे हितांशु

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के आगामी शो 'यशोमती मैया के नंदलाला' में नेहा सरगम यशोदा का रोल निभाएंगी। उनके साथ हितांशु जिसी भी भगवान विष्णु का रोल निभाएंगे। हितांशु बताते हैं- मैं धार्मिक इंसान हूं और भगवान विष्णु का परमभक्त हूं। मैं इस मौके को नियति का खेल मानता हूं क्योंकि जैसे ही मैंने प्रार्थना की। मुझे लगता है कि यह दैवीय हस्तक्षेप था।

सरोज खान को श्रद्धांजलि

निर्माता, निर्देशक, कोरियोग्राफर, अहमद खान द कपिल शर्मा शो में, 'ओम-द बैटल विदइन' का प्रचार करने पहुंचे, जहां उनकी पत्नी और फिल्म की सह-निर्माता शायरा खान ने राज खोला। शायरा ने बताया कि उनके पति सरोज खान जी की बहुत ही शानदार नकल कर सकते हैं, यहां तक कि असली और नकली के बीच अंतर बताना भी मुश्किल हो जाता है। अहमद खान ने कहा कि वह सरोज जी के हाथों की चाल से प्रेरित थे और उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी से लैला को प्रसिद्ध करने के लिए अपनी कलाई और हाथ का उपयोग करने के लिए कहा था। अहमद खान ने कहा, मैंने सरोज जी से डांस और भावों की कला सीखी है। उनके भाव शानदार थे। जब भी वह डांस करती थी, तो उनके हाथों में जादू होता था।

स्मिता-ऐश्वर्या की दोस्ती

जीटीवी और बालाजी टेलीफिल्म्स का 'भाग्य लक्ष्मी' शो के लिए नीलम ओबेराय (स्मिता बंसल) और लक्ष्मी (ऐश्वर्या खरे) का आन-स्क्रीन रिश्ता बेहद खराब है। लेकिन ऐश्वर्या ने बताया- स्मिता और मेरा रिश्ता अलग है, वह मेरे सबसे करीब है। हमारा रिश्ता बदलता रहता है। मेरी बेस्ट फ्रेंड हैं। कभी-कभी मेरी मां भी बन जाती हैं। जब भी मुझे जिंदगी में सलाह की जरूरत होती है, तो मैं उन्हीं के पास जाती हूं। मजेदार इंसान हैं, वह मुझे बहुत पसंद हैं।

'लाक अप' के दूसरे फाइनलिस्ट फारूकी

कंगना रनौत का विवादास रियलिटी शो 'लाक अप' फिनाले की ओर बढ़ रहा है। पिछले हफ्ते शिवम शर्मा फिनाले का टिकट जीतने वाले पहले कंटेस्टेंट बने और मुनव्वर फारूकी दूसरे कंटेस्टेंट बन गए। गेम के दौरान सायशा शिंदे, पूनम पांडे, मुनव्वर फारुकी और पायल रोहतगी को सुरंग खोजने का काम दिया गया। चारों ने सुरंग में प्रवेश किया लेकिन पायल आखिरी थी। मुनव्वर, सायशा और पूनम को पहेलिया बुझाने से ताले खुलने थे। मुनव्वर ने अपना ताला खोलने में कामयाबी हासिल की।

मैडम सर बनीं बच्चों की प्रेरणा

सोनी सब के 'मैडम सर' में उत्पीड़न और बच्चों के मस्तिष्क पर पड़ने वाले इसके प्रभाव के बारे में बात होती है, लेकिन उनका शोषण जारी है. हसीना, आत्मविश्वास से भरपूर बास लेडी है। हसीना अब सशक्त पुलिस अधिकारी बन चुकी है, लेकिन इसके बावजूद जब उसका सामना अपने अतीत से होता है तो वह खुद को बेहद कमजोर महसूस करने लगती है।

'सनी' फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कृत

'सोशल इमेज प्रोडक्शन' के बैनर तले बनी और एसके दास द्वारा निर्देशित की शार्ट फिल्म सनी -दी सन आफ रिवर महानदी' को चंडीगढ़ में आयोजित '11 वें सीएमसी वट्टवरन फिल्म फेस्टिवल एंड अवार्ड्स' में 'आजीविका और टिकाऊ प्रौद्योगिकियां' कैटगरी में सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिल्म पुरस्कार मिला। दास कहते हैं- लघु फिल्म महानदी नदी और ओड़िशा में मछुआरों की आजीविका पर आधारित है। यह ओड़िआ भाषा में बनी है।

फिर से लिए फेरे और प्यार के वचन

सोनी सब के 'सब सतरंगी' में मन्नु (मोहित कुमार) और गार्गी (कंगन बरूआ) प्यार का इजहार कर लिया। मोहित ने कहा- प्यार हकीकत में बदलने जा रहा है। गार्गी के इकरार और प्यार भरे इस जज्बात से कि वह अपनी शादी को मौका देना चाहती है, उसकी खुशी की ठिकाना नहीं। उसके साथ एक बार फिर से फेरे लेता है। कंगन बरूआ ने कहा- गार्गी कोई भी मौका गंवाना नहीं चाहती। मन्नु के लिए भावनाएं हैं। दोनों फिर से फेरे लेने का फैसला करते हैं।

जज्बाती कहानियों से 'क्लोजर'

डिज्नी प्लस हाटस्टार पर तीन अलग-अलग और अनूठी कहानियों की डोर में बंधी लघु एंथोलाजी को रिलीज की जाएगी। 'क्लोजर' में अभिषेक बनर्जी, दितिप्रिया राय, निमत दास, भूपेंद्र जाड़ावत, विभा आनंद, रेणुका शहाणे, राजेश्वरी सचदेव और सैयद रजा जैसे कलाकार अभिनय दिखाएंगे। ब्रिंदा मित्रा ने निर्देशित किया है, जबकि प्रतीक चक्रवर्ती और मायनेक सेन ने साझा तौर पर इसका निर्माण किया है।

यूपी में गहराया बिजली संकट, गांवों को मिल रही सिर्फ 9 घंटे बिजली, शहरों में हो रही 7-7 घंटे की अघोषित कटौती

लखनऊ। गर्मी बढ़ने के कारण बढ़ी बिजली की मांग और कोयले की कमी से पैदा हुआ बिजली संकट भी जारी रहा। उत्पादन निगम की चार इकाइयों के पास एक से पांच दिन का कोयला बचा है। कोयले की कमी के कारण अप्रैल के महीने में 303 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन पर असर पड़ा है, जबकि प्लांट के पास भी कोयले का स्टाक खत्म होने के कगार पर पहुंच चुका है।

इसमें अनपरा के पास पांच दिन, ओबरा के पास 4 दिन, हरदुआगंज के पास 3 और पारीछा पावर प्लांट के पास महज एक दिन का कोयला बचा है। शनिवार को सभी जगह डिमांड से कम कोयला उपलब्ध हो पाया है। कोयले की कमी को देखते हुए ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने निर्णय लिया है कि रेल के साथ-साथ सड़क के जरिए भी कोयले की आपूर्ति की जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश के सबसे अधिक क्षमता के ताप विद्युत गृह अनपरा की इकाइयों के लिए 10 लाख टन कोयला नॉदर्न कोल फील्ड की खदानों से रोड और रेल माध्यम से लेने का निर्णय लिया गया है। इस पावर प्लांट से सबसे अधिक 2630 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होता है। अनपरा को एक दिन के लिए 40 हजार टन कोयला चाहिए लेकिन 30 हजार टन ही कोयला उपलब्ध हो पाया। ओबरा को 15,700 की जगह 12500 टन, पारीछा को

19 हजार की जगह 15,500 टन कोयला मिल पाया है। हरदुआगंज में भी कम कोयला मिला है। यूपी में बिजली डिमांड लगातार बढ़ रही है। 30 अप्रैल को इस साल की अब तक सबसे ज्यादा डिमांड रही। यूपी में बिजली डिमांड 23 हजार मेगावॉट तक पहुंच गया है, जबकि सप्लाई महज 19,366 मेगावॉट रही। ऐसे में डिमांड और सप्लाई में 3,634 मेगावॉट का अंतर रहा। सबसे ज्यादा बिजली केंद्र के कोटे से मिली। वहां से 8,500 मेगावॉट बिजली मिली है। इसके बाद निजी क्षेत्र से 6,200 मेगावॉट, यूपी उत्पादन निगम से 4,300 मेगावॉट और यूपी हाइड्रो से 366 मेगावॉट बिजली मिली। सबसे बुरा हाल गांव के उपभोक्ताओं का है। गांव में 30 अप्रैल को 18 की जगह 9.19 घंटे, नगर पंचायत 21.30 की जगह 14.33 और तहसील में 21.30 की जगह 15.07 घंटे बिजली मिल रही है। शहरों में कागज पर पर्याप्त सप्लाई मिल रही है लेकिन वहां पांच से 7 घंटे तक बिजली कट रही है। प्रदेश सरकार के पावर प्लांट तो कम उत्पादन कर ही रहे हैं। केंद्रीय कोटे से भी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रही है। गांव, तहसील और नगर पंचायत में घोषित कटौती हो रही है जबकि शहरों में अघोषित कटौती हो रही है।

सूचना न देने पर सूचना आयोग ने लगाया जुर्माना

प्रखर पिंडरा। पिंडरा विकास खण्ड के मंगारी गांव में रिबोर किये गए हैंडपंप की सूची व उसपर हुए खर्च का हिसाब न देने पर राज्य सूचना आयोग के सुनवाई के दौरान अनुपस्थित रहने पर 25- 25 हजार का जुमार्ना लगाने से हड़कंप मच गया। बताते है कि मंगारी निवासी उमाकांत शर्मा ने तत्कालीन ग्राम प्रधान द्वारा अब तक कराए गए रिबोर की सूचना व्यय व चौहद्दी सहित जनसूचना के तहत मांगी गई थी। लेकिन एडीओ पंचायत व प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा भी सूचना न देने पर द्वितीय अपील राज्य सूचना आयोग में की। जिसपर सूचना आयोग ने दो बार उपस्थित होकर एडीओ पंचायत को रखने का मौका दिया लेकिन उपस्थित न होने पर 25 - 25 हजार का पृथक जुमार्ना लगा दिया।

श्रमिक संगठनों ने निकाला बाइक जुलूस

जिला श्रमिक समन्वय समिति के बैनर तले सभा कर आवाज की गई बुलन्द

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विश्व मजदूर दिवस पर जनपद में केंद्रीय, राज्य कर्मियों, शिक्षक संगठनो निजी क्षेत्र के दर्जनों श्रमिक संगठनों यूपीएमएसआरए किसान सभा, आंगनबाड़ी, राज्य कर्मचारी सन्युक्त परिषद महासंघो ने श्रमिक दिवस पर मोटर साइकिल जुलस निकाला। यह जुलुस शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए सिंचाई चौराहा स्थित नलकूप मण्डल कार्यालय परिसर पहुंचा व जिला श्रमिक समन्वय समिति गाजीपुर के बैनर तले एक सभा का आयोजन कर शिकागो के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष अम्बिका दुबे ने कहा कि वर्तमान दौर कर्मचारी श्रमिक संगठनों के लिये अग्नि परीक्षा की घड़ी है, यदि इस बार एक जुट होकर अपने हितों के लिए संघर्ष नही किया गया तो संगठनों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

समन्वय समिति के महासचिव आर.एम. राय व मुहम्मद अफजल ने अपने सम्बोधन में 1 मई मजदूर दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की माँग की। कार्यक्रम की सफलता में यूपीएमएसआरए की टीम ने महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय भूमिका अदा की। आज के इस कार्यक्रम को ई. सुरेन्द्र प्रताप, बैजनाथ तिवारी, मनोज राय, दिनेश शर्मा, ओमप्रकाश यादव, प्रवीण कुशवाहा, प्रमोद मिश्रा, महेंद्र यादव, आशुतोष पाण्डेय, चन्दन राय, मयंक श्रीवास्तव आदि ने सम्बोधित किया। बैठक की अध्यक्षता समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष अम्बिका दूबे व संचालन सचिव आशीष ने किया।

भाजपा नेता ने दिहाड़ी मजदूरों को अंग वस्त्र भेंट कर किया सम्मानित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मजदूर दिवस अवसर पर आज दिन रविवार को भाजपा नेता सुनिल सिंह एवं सुमित तिवारी, अभिनव सिंह छोटू आदि ने रौजा क्षेत्र मे भवन निर्माण मे काम कर रहे आधा दर्जन दिहाड़ी मजदूरों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सुनिल सिंह ने कहा कि मेहनत से पसीना बहाकर दूसरों के सपनों को साकार करने वाले मजदूरों के सपनों को साकार करने के लिए भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की सरकारों ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगातार प्रयास कर रही है। इस दौरान सम्मानित होने से दिहाड़ी मजदूर काफी खुश हुए।

दैनिक मजदूरी बढ़ाने की माँग को लेकर दिहाड़ी मजदूरों ने किया प्रदर्शन

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। मजदूर दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दिहाड़ी मजदूरों ने सरकार से रोजगार और मजदूरी बढ़ाने की मांग किया। अपनी मांगों के समर्थन में रविवार को आदर्श ग्राम नागेपुर में कई गाँवों से आये सैकड़ों दिहाड़ी मजदूरों ने रैली निकाली। इस अवसर पर आयोजित सभा में मजदूरों ने कहा कि कोरोना काल से तंगहाली में जी रहे मजदूरों की कमर टूट गयी है। मुख्य अतिथि समाजवादी जन परिषद के महासचिव अफलातून ने कहा कि गाँवों में लाखों मजदूर बेरोजगार घर बैठे है। महँगाई से निर्माण के 90 फीसद कार्य बंद चल रहे हैं। जिससे उन्हें दैनिक मजदूरी भी नहीं मिल रही है। दैनिक उपभोग की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। मजदूरी न मिलने से परिवार को एक वक्त का खाना भी नसीब नहीं हो रहा है। आराजी लाइन ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ महेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि रोजाना हजारों मजदूर गांव से किराया भाड़ा लगाकर शहर के विभिन्न मजदूर मण्डियों में जाते हैं, दिनभर खड़े रहने के बाद शाम को बिना काम के ही वापस घर लौट जाते हैं।

मजदूरों ने सरकार से मांग किया है कि उन्हें गाँव में स्थाई रोजगार दिलाया जाए। सभी दिहाड़ी मजदूरों के राशन कार्ड बनाए जाएं। ताकि वह बच्चों का पेट भर सकें। साथ ही न्यूनतम दैनिक मजदूरी 600 रुपए

तय हो। 55 वर्ष से ऊपर के मजदूर को 3000 रुपये प्रतिमाह वृद्धावस्था पेंशन और महिला मजदूरों को मातृत्व अवकाश सुनिश्चित किया जाय तथा मजदूरों को निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा और सभी देहाड़ी मजदूरों का श्रम विभाग में अनिवार्य रूप से पंजीकरण सुनिश्चित किया जाय। लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने कहा कि कोरोना ने दिहाड़ी मजदूरों को बेगारी का दंश सहने को मजबूर कर दिया है। मजदूर लगातार मजदूरी दर बढ़ाने की जायज मांग कर रहे है। पूर्वांचल किसान यूनियन के अध्यक्ष किसान नेता योगीराज पटेल ने कहा कि गरीबी,भूख और पलायन को रोकने के लिये गाँव में ही रोजगार मुहैया कराना बेहतर विकल्प है। कार्यक्रम में मुख्यरूप से प्रधान संघ अध्यक्ष मुकेश कुमार,पुर्वांचल किसान यूनियन अध्यक्ष योगीराज पटेल,समाजवादी जन परिषद के राजेन्द्र चौधरी, स्वास्थ्य अधिकार अभियान के संयोजक दीनदयाल सिंह, रामबचन, शिवकुमार, पंचमुखी, दिलीप,आत्मा,छोटेलाल,पिंटू राजभर,रजत, जगदीश, सूरज, अमित,श्यामसुन्दर, मनीष, रमेश,लीला, बबीता, ऊषा,वन्दना, ओमप्रकाश,संतोष, सुलाब, आत्मा, लालमन, सोनी, अनीता, सरोज, आशा,श्यामसुन्दर, पंचमुखी,आदि शामिल रहे। रैली का नेतृत्व नन्दलाल मास्टर, अध्यक्षता नागेपुर के प्रधान मुकेश कुमार और संचालन दिहाड़ी मजदूर संयोजक रामबचन और अमित ने किया।

तीस बेड का कोविड हॉस्पिटल का निर्माण कार्य शुरू

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। अहरौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 30 बेट का कोविड-19 हॉस्पिटल का निर्माण कार्य शुरू। उक्त जानकारी शनिवार को अहरौरा पहुंचे मुख्य शिक्षा अधिकारी डॉ राजीव सिंघल ने पत्रकारों को दिया जिसके बाद ही जेसीबी से निव खोदने का कार्य शुरू कर दिया गया। डॉ राजीव सिंघल ने बताया कि हॉस्पिटल के उत्तर तरफ स्थित खाली जमीन में कोविड-19 के लिए लेआउट तैयार कर लिया गया है । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजीव सिंघल के दौरे के बाद ही तत्काल कोविड-19 हॉस्पिटल के निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया।

जयपुर सीरियल ब्लास्ट के दो दोषियों की याचिका पर कल सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट की युगल पीठ

नई दिल्ली। जयपुर के परकोटा इलाके में 13 मई 2008 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में विशेष अदालत से फांसी की सजा पाने वाले मोहम्मद सैफ और सरवर आजमी ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट की युगल पीठ मामले पर 2 मई को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में अपील करने वाले दोनो दोषी यूपी के आजमगढ़ के रहने वाले हैं। दरअसल, जयपुर के परकोटा इलाके में 13 मई 2008 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में विशेष अदालत ने चारों आतंकियों को मोहम्मद सैफ, सरवर आजमी, सैफुर्रहमान और मोहम्मद सलमान को फांसी की सजा सुनाई थी। दोषियों को जब सजा सुनाई गई, तब भी वे हंस रहे थे। साढ़े ग्यारह साल पहले हुए इन सिलसिलेवार बम धमाकों में 71 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 185 लोग जख्मी हुए थे।

एआईएमआईएम चीफ बोले- राज ठाकरे को भड़काने के लिए शिवसेना के 'हिंदू ओवैसी' नहीं बताना चाहिए

औरंगाबाद। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर पर अजान और हनुमान चालीसा को लेकर सियासी बयानों के तीखे बाण बंद नहीं हो रहे इसके बीच एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे आज औरंगाबाद में रैली कर शक्ति प्रदर्शन करेंगे। औरंगाबाद में राज ठाकरे की रैली को लेकर वार-पटलवार का दौर भी जारी है। इस बीच एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि इस समय खुद को बड़ा हिंदू बताने के लिए नेताओं के बीच होड़ मची हुई है। ओवैसी ने कहा कि ठाकरे परिवार के विवाद में बेवजह उनका नाम लाया जा रहा है। संजय राउत मुझे अपनी लड़ाई में न घसीटें। राज ठाकरे को भड़काने के लिए 'हिंदू ओवैसी' नहीं बताना चाहिए। राज ठाकरे से रैली से पहले शिवसेना सांसद संजय राउत ने राज ठाकरे पर तंज कसा है। राउत ने कहा कि जो लोग आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा कर रहे हैं, वो (राज ठाकरे) एक ट्वीट में योगी आदित्यनाथ को गंजा बता चुके हैं। संजय राउत ने कहा कि राज ठाकरे ने योगी के भगवा कपड़ों का भी अपमान किया था।

संजय राउत ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर मनसे चीफ के पहले दिए गए बयानों को देखना चाहिए, जो लोग उन्हें भगवा कपड़े में घूमने वाला गंजा कहते थे, वे अब अयोध्या जा रहे हैं। राउत ने कहा कि हम देखना चाहते हैं कि योगी आदित्यनाथ कैसे उनका स्वागत करते हैं। राउत ने ये भी कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का बाबरी मस्जिद विध्वंस और राम जन्मभूमि आंदोलन से कोई लेना-देना नहीं है। संजय राउत ने योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन्होंने भगवान हनुमान को दलित कहा था, उन्हें हनुमान की पूजा करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे लोग अब हमें भगवान हनुमान के बारे में सिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

उधर, संजय राउत के बयान पर पलटवार करते हुए मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा कि ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को याददाश्त से संबंधित कोई समस्या हो गई है। 1992 में वे फोटोग्राफी में मशगूल थे, जबकि राज साहब बालासाहेब के साथ महाराष्ट्र का दौरा कर रहे थे। बता दें कि दिसंबर 2018 में मुंबई के विक्रोली में पार्टी की सभा में राज ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कई बातें कही थीं। राज ठाकरे ने योगी आदित्यनाथ पर व्यक्तिगत टिप्पणी भी की थी। राज ठाकरे ने कहा कि वह गंजा व्यक्ति जो भगवा कपड़े में घूमता है... मुझे नहीं पता कि वह किस तरह का सीएम है।

चोरी की बाईक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाएं जा रहे अभियान के तहत आज दिन रविवार को नोनहरा पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को चोरी की बाईक के साथ गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार रविवार को उपनिरीक्षक प्रदीप सिंह अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र अटवा मोड़ तिराहे पर चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान बाईक सवार युवक को रोककर जब उससे गाड़ी के कागजात मांगा गया तो पता चला की यह गाड़ी चोरी की है। पूछताछ में युवक ने अपना नाम दिनेश प्रसाद गुप्ता पुत्र स्वगीय मुसाफिर शाह निवासी तिवारीपुर थाना मुहम्मदाबाद बताया। गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

श्रमिक दिवस पर सम्मानित हुए श्रमिक, हुई संगोष्ठी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। श्रमिक दिवस पर रविवार को पिंडरा विकास खण्ड मुख्यालय के अलावा ग्राम पंचायतों में भी श्रमिक दिवस पर विविध आयोजन के साथ श्रमिको को सम्मानित किया गया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2021-22 में 100 दिन काम पूर्ण करने वाले श्रमिको को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वही वर्ष (2022-23) श्रमिको को कार्य पर नियोजित किए जाने हेतु सैकड़ो श्रमिको से आवेदन लिया गया। इसके अलावा जाब कार्ड बनाने के लिए व कार्य की मांग करने वाले श्रमिको का आवेदन लिया गया। ब्लॉक मुख्यालय मंगारी व विभिन्न पंचायतों में आयोजित हुए कार्यक्रम के दौरान मनरेगा एक्ट, श्रमिको के अधिकार के बाबत विस्तृत जानकारी प्रशिक्षु एसडीएम/ बीडीओ विकास चंद, एडीओ पंचायत अशोक कुमार चौबे, सेक्रेटरी अनिल कुमार, गोविंद गिरी, डब्लू यादव, संतोष मौर्य, राजेश कुमार, हरिहर यादव , नीलाम्बर समेत अनेक सेक्रेटरी उपस्थित रहे।

देश के नए विदेश सचिव बने वरिष्ठ राजनयिक विनय मोहन क्वात्रा

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनयिक विनय मोहन क्वात्रा ने रविवार को भारत के नए विदेश सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने यह दायित्व ऐसे समय में संभाला है, जब नई दिल्ली यूक्रेन युद्ध समेत विभिन्न भूराजनैतिक घटनाक्रमों का सामना कर रही है। सन 1998 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी क्वात्रा ने हर्षवर्धन श्रृंगला का स्थान लिया है, जो शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। विदेश सचिव बनने से पहले क्वात्रा नेपाल में भारत के राजदूत थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने रविवार को ट्वीट किया, विनय क्वात्रा ने रविवार सुबह विदेश सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। विदेश मंत्रालय विदेश सचिव क्वात्रा को एक सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता है। क्वात्रा को भारत के पड़ोसी देशों के अलावा अमेरिका, चीन और यूरोप के साथ संबंधों का विशेषज्ञ माना जाता है। 2020 में नेपाल में अपनी राजनयिक तैनाती से पहले उन्होंने अगस्त 2017 से फरवरी 2020 के बीच फ्रांस में भारत के राजदूत के रूप में कार्य किया।

बुलडोजर राज के खिलाफ महीने भर का अभियान चलेगा- माले

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के कार्यकताओं ने ऐतिहासिक मजदूर दिवस को जमानियां, जखनियां, कार्यालय पर शिकागो के शहीदों को श्रद्धांजलि दिया गया तथा खानपुर में गांव में जुलूस निकाल कर भी मनाया।

मजदूर दिवस के मौके पर जमानियां पार्टी कार्यालय पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) केन्द्रीय कमेटी सदस्य ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि 1886 में 8 घंटे काम की मांग को लेकर आन्दोलनरत मजदूरों पर 'हे मार्केट शिकागो में गोली बर्षा कर अनेक लोगों को शहीद कर दिया गया। मजदूरों पर गोली चलने से उनके कपड़े रक्त में डूब गए और वहीं कपड़ा दुनिया में मजदूरों का लाल झंडा बना। इस दिन वे संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का शपथ लेते है। मोदी सरकार में मजदूर पक्षीय कानूनों को समाप्त कर चार श्रम संहिताओं को लाद दिया गया है। मजदूरों के अन्य सामाजिक सुविधाएं लगातार बंद किया जा रहा है तथा संविधान और कानून के राज को धत्ता बताते हुए मजदूरों के काम के घंटे बढ़ा दिए गए। बेरोजगारी और दरिद्रीकरण और भुखमरी की स्थिति पैदा कर दी गई है। इसी क्रम में

खानपुर में अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा जिलाध्यक्ष नंदकिशोर बिंद ने सम्बोधित करते हुए कहा कि 84 करोड़ आबादी को मुफ्त राशन देने लिए सरकार को बाध्य होना पड़ रहा है। मोदी सरकार की कारपोरेट परस्त नीतियों के कारण संगठित क्षेत्र का सवा दो करोड़ रोजगार पांच साल में खत्म हो गया है। मजदूरों की एकता को तोड़ने के लिए जाति, धर्म, क्षेत्र, नस्ल, रंग और लिंग भेद के विभेद का प्रयोग तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि महामारी की आड़ लेकर सरकार सैकड़ों वर्षों में लाखों मजदूरों के कुबार्नी से हासिल अधिकारों को समाप्त कर मजदूरों के संगठित प्रतिरोध को कुचल देने आमादा है। भू-माफिया के नाम पर देश भर में सरकार का बुलडोजर गरीबों के घरबार पर चल रहा है। 1 मई से 31 मई तक एक महीने तक बुलडोजर राज के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। आज के इस कार्यक्रम को मुराली बनवासी, लालू बिंद, रामनगीना पासी, महेंद्र राम, कन्हैया बिंद, अविनाश कुमार, अखिलेश कुशवाहा, हरिहर, सुकरा देवी, दुर्गा, जीरा देवी, गुलाब सिंह आदि ने सम्बोधित किया।

जारी है पोखरियों पर अवैध अतिक्रमण जिम्मेदार कौन

घोसी, मऊ। राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट। कबीरदास का ये दोहा नगर क्षेत्र के अवैध अतिक्रमणकारियों पर पूरी तरह चरितार्थ हो रहा है। नगर क्षेत्र के कुछ इलाकों में अवैध अतिक्रमण की होड़ लगी हुई है और हर एक व्यक्ति एक दूसरे को पछाड़ते हुए आगे रहने की पुरजोर कोशिश में लगा हुआ है। नगर क्षेत्र में अतिक्रमण के ऐसे तो सैकडों उदाहरण है। नगर पंचायत स्थित महमुदवा ताल जो पोखरी गाटा संख्या 883 पर 886 ने अतिक्रमण किया है। जिस पर पूर्व उपजिलाधिकारी घोसी के आदेश पर कानूनगों, लेखपाल की टीम गठित कर पोखरी की नापी कराई गई। नापी के दौरान लगभग 400 कड़ी पोखरी पर अतिक्रमणकारि गजनफर अब्बास पुत्र स्व० सफीउल्लाह ने अपना कब्जा जमाया है। नापी के बाद कानूनगों व लेखपाल ने पोखरी की निशानदेही करते हुए अतिक्रमण कारी को चेताया है कि अपना अतिक्रमण हटा ले अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहे। विगत एक

वर्ष पूर्व उपजिलाधिकारी घोसी के निर्देश पर महमुदवा ताल पोखरी का सीमाकंन कर तत्कालीन लेखपाल सतेंद्र सिंह, कानूनगो कतवारू द्वारा अतिक्रमण कारियो से अपने अवैध अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटाने के लिए कहा लेकिन लगभग एक वर्ष बीत जाने के बाद भी पोखरी को अतिक्रमण मुक्त नही कराया जा सका। जबकि योग सरकार द्वारा फरमान जारी किया गया कि जल संचय हेतु पूरे प्रदेश भर के ग्राम पंचायतों के ग्राम समाज के तालाब व पोखरी पर हुए अतिक्रमण को जिलाधिकारी स्वंय संज्ञान लेकर अतिक्रमण मुक्त कराये। आदेश के बावजूद भी लगभग एक वर्ष बाद भी स्थानीय तहसील प्रशासन की उदासीनता की वजह से पोखरी अतिक्रमण मुक्त नहीं हो सकी।

प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंचा गुजरात टाइटंस

तेवतिया और मिलर के तूफान में उड़ा बेंगलुरु , 6 विकेट से जीता गुजरात

विराट कोहली ने आईपीएल में 14 पारियों के बाद जड़ा अर्धशतक

विराट कोहली ने आईपीएल में 14 पारियों के बाद गुजरात के खिलाफ अपने इस सीजन का पहला अर्धशतक जड़ा। कोहली ने 45 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह सीजन का दूसरा सबसे धीमा अर्धशतक है। विराट कोहली का यह 43वां आईपीएल अर्धशतक है। इस लीग में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने के मामले में कोहली डेविड वॉर्नर (52) और शिखर धवन (46) के बाद तीसरे नंबर पर हैं। अनुष्का शर्मा आईपीएल में अपने पति विराट कोहली को चीयर करती नजर आई। बेंगलुरु के पूर्व कप्तान कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 13वें ओवर में अर्धशतक जड़ा तो अनुष्का अपने स्टैंड में जश्न मनाती नजर आईं। उल्लेखनीय है कि इस सत्र में पिछले दो बार से लगातार शून्य पर आउट हुए।

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4/6
विराट कोहली बो. शमी	58	53	6/1
डु प्लेसिस कै. साहा बो. सांगवान	00	04	0/0
रजत पाटीदार बो. गिल बो. सागवान	52	32	5/2
मैक्सवेल कै. राशिद बो. फर्ग्युसन	33	18	3/2
दिनेश कार्तिक कै. शमी बो. राशिद	02	03	0/0
शाहबाज अहमद नाबाद	02	02	0/0
लोमरोर कै. मिलर बो. जोसेफ	16	08	2/1

अतिरिक्त: 7, कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर 170 रन
विकेट पतन: 1-11, 2-110, 3-129 ,4-138, 5-150, 6-170 **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 4-0-39-1, प्रदीप सांगवान 4-0-19-2, अल्जारी जोसेफ 4-0-42-1, राशिद खान 4-0-29-1, लॉकी फर्ग्युसन 4-0-36-1,

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
साहा कै. पाटीदार बो. हसरंगा	29	22	4/0
शुभमन गिल एगबाषा शाहबाज	31	28	3/1
सुदर्शन कै. रावत बो. हसरंगा	20	14	2/0
हार्दिक कै. लोमरोर बो. शाहबाज	03	05	0/0
डेविड मिलर नाबाद	39	24	4/1
राहुल तेवतिया नाबाद	43	25	5/2

अतिरिक्त: 9 कुल: 19.3 ओवर में चार विकेट पर 174 रन **विकेट पतन:** 1-51, 2-68, 3-78, 4-95, **गेंदबाजी:** मैक्सवेल 1-0-10-0, मोहम्मद सिराज 4-0-35-0, जोश हेजलवुड 3.3-0-36-0, शाहबाज अहमद 3-0-26-2, हर्षल पटेल 4-0-35-0, वानिंदु हसरंगा 4-0-28-2,

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	19
कुलदीप यादव	दिल्ली	17
उमरान मलिक	हैदराबाद	15

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
बटलर	राजस्थान	566
केएल राहुल	लखनऊ	374
हार्दिक पांड्या	गुजरात	308

मुंबई (एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच मिस्टर फिनिशर राहुल तेवतिया नाबाद 43 और किलर मिलर डेविड मिलर नाबाद 39 की आक्रामक बल्लेबाजी तथा दोनों के बीच 40 गेंद में 79 रन की आतिशी अविजित साझेदारी के दम पर गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के चैलेंज को शनिवार को छह विकेट की जीत से ध्वस्त कर आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने की तरफ कदम बढ़ा दिया। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने आईपीएल में अपना 100 मुकाबला खेला।

बेंगलुरु ने पूर्व कप्तान विराट कोहली (58) और रजत पाटीदार (52) के अर्धशतकों की बदौलत 20 ओवर में छह विकेट पर 170 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया जबकि गुजरात ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 174 रन बनाकर नौ मैचों में आठवीं जीत हासिल कर ली और प्लेऑफ में जगह बनाने की दहलीज पर पहुंच गए। तेवतिया और मिलर की जोड़ी ने एक और मुकाबला टाइटंस के नाम कर दिया है। इस सीजन में गुजरात टाइटंस की जीत का कारवां थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोई न कोई बल्लेबाज टाइटंस के लिए जीत को हार के जबड़े से छीन लाता है। शनिवार को यह कारनामा तेवतिया और मिलर की जोड़ी ने किया। तेवतिया और मिलर ने मात्र 6.4 ओवर में 79 रन ठोककर गुजरात की जीत को एकतरफा बना दिया। तेवतिया ने मात्र 25 गेंदों पर नाबाद 43 रन और जबकि मिलर ने 24 गेंदों पर नाबाद 39 रन में चार चौके और एक छक्का लगाया। गुजरात ने अपना चौथा विकेट 13वें ओवर में 95 के स्कोर पर गंवाया था लेकिन इसके बाद इस जोड़ी ने बेंगलुरु को कोई मौका नहीं दिया। बेंगलुरु को इस तरह 10 मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले लम्बे समय से फॉर्म की तलाश कर रहे विराट ने आखिर फॉर्म हासिल करते हुए 53 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाये जबकि पाटीदार ने 32 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों के सहारे 52 रन ठोके । कप्तान फाफ डू प्लेसिस का विकेट 11 रन के स्कोर पर गिरने के बाद विराट और पाटीदार ने दूसरे विकेट के लिए 99 रन जोड़े। विराट को मोहम्मद शमी ने परफेक्ट यॉर्कर पर बोल्ड किया। ग्लेन मैक्सवेल ने 33 तथा महिपाल लोमरोर ने 16 रन बनाये। लोमरोर पारी की आखिरी गेंद पर आउट हुए।

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	09	08	01	16	0. 377
राजस्थान	09	06	03	12	0.450
लखनऊ	09	06	03	12	0.408
हैदराबाद	08	05	03	10	0.600
बेंगलुरु	10	05	05	10	-0.558
दिल्ली	08	04	04	08	0.695
पंजाब	09	04	05	08	-0.470
कोलकाता	09	03	06	06	-0.006
चेन्नई	08	02	06	04	-0.538
मुंबई	09	01	08	02	-0.836

लगातार आठ हार के बाद मुंबई ने चखा पहली जीत का स्वाद

कप्तान रोहित शर्मा को मिला जन्मदिन पर जीत का तोहफा

मुंबई। मैन ऑफ द मैच सूर्यकुमार यादव के शानदार अर्धशतक की बदौलत पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने लगातार आठ हार के बाद शनिवार को राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से पराजित कर आईपीएल में पहली जीत का स्वाफ चख लिया। मुंबई को इस जीत से टूर्नामेंट में पहली बार दो अंक मिले और टीम ने अपने कप्तान रोहित शर्मा को उनके आज जन्मदिन पर जीत का तोहफा दे दिया।

इस मैच में मुंबई इंडियंस के कप्तान और बर्थडे ब्वॉय रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को 158 रन पर रोक दिया था। जोस बटलर ने काफी गेंद खेलीं, लेकिन वे बड़ी पारी नहीं खेल सके। हालांकि, उन्होंने 67 रन बनाए, लेकिन इसके लिए 52 गेंदों का इस्तेमाल किया। राजस्थान के लिए 21 रन आर अश्विन, 17 रन डेरिल मिचेल, 16 रन कप्तान संजू सैमसन और 15 रन देवदत्त पडिक्कल ने बनाए, जबकि मुंबई की तरफ से 2-2 विकेट ऋतिक शौकीन और राइली मेरेडिथ को मिले, जबकि एक-एक विकेट डैनियल सैम्स और मप्र के कुमार कार्तिकेय को मिला। उधर, 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस को अच्छी शुरुआत नहीं मिली, लेकिन सूर्यकुमार के शानदार अर्धशतक और उनकी तिलक वर्मा के साथ 80 से ज्यादा रन की साझेदारी की ने मुंबई को जीत दिलाई। मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव ने 51, तिलक वर्मा ने 35, ईशान किशन ने 26 और टिम डेविड ने नाबाद 20 रन बनाए। मैच फिनिशर की भूमिका टिम डेविड (20) और डैनियल सैम्स (6) निभाई, जबकि किरोन पोलार्ड 10 रन बनाकर आउट हुए। राजस्थान के लिए आर अश्विन, प्रसिद्ध कृष्णा, युजवेंद्र चहल, ट्रेंट बोल्ट और कुलदीप सेन को एक-एक विकेट मिला।

बटलर ने जड़ा इस सीजन का सबसे धीमा अर्धशतक

मुंबई के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर 67 रन की पारी खेली, लेकिन अर्धशतक उन्होंने 48 गेंदों में पूरा किया। उन्होंने आईपीएल 2022 की सबसे धीमा अर्धशतक भी बनाया। आईपीएल के 15वें सीजन में 500 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, लेकिन इसी मैच में इस मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ ऐसा लगा कि वे रन बनाने के लिए तरस रहे थे। जोस बटलर ने आईपीएल 2022 में 9 मैचों में 3 शतक और 3 अर्धशतकों के साथ 566 रन बनाने में सफल रहे हैं। बटलर के सिर पर आईपीएल के 15वें सीजन की ऑरेंज कैप सजी हुई है।

आज के मुकाबले

दोप. 3:30 बजे
दिल्ली कैपिटल्स **बनाम** लखनऊ सुपर जायंट्स

शाम. 7:30 बजे
सनराइजर्स हैदराबाद **बनाम** चेन्नई सुपर किंग्स

बीसीसीआई ने नॉकआउट शेड्यूल में किया बदलाव

दो दिन की देरी से होंगे रणजी मुकाबले

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी का नॉकआउट शेड्यूल जारी कर दिया हैं। नॉकआउट मुकाबले दो दिन की देरी से शुरू होंगे। क्वॉर्टरफाइनल मुकाबले 6 जून से खेले जाएंगे, जबकि सेमीफाइनल 14 जून से और फाइनल 22 जून को खेला जाएगा।

बेंगलुरु रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट मैचों की मेजबानी करने वाला है। पहले क्वॉर्टरफाइनल 4 जून से शुरू होने वाले थे और फाइनल 20 जून को खेला जाना था। रणजी ट्रॉफी का लीग चरण मौजूदा आईपीएल के शुरू होने से पहले खेला गया था और बीसीसीआई ने कहा था कि नॉकआउट इस लुभावनी टी20 लीग के बाद खेले जायेंगे। चार क्वॉर्टरफाइनल 6 से 10 जून तक खेले जायेंगे। पहले क्वॉर्टरफाइनल में बंगाल का सामना झारखंड से होगा। दूसरे क्वॉर्टरफाइनल में 41 बार की रणजी चैंपियन मुंबई की भिड़ंत उत्तराखंड से होगी, जबकि कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के बीच तीसरा क्वॉर्टर फाइनल खेला जायेगा। चौथे क्वॉर्टरफाइनल में पंजाब और मध्य प्रदेश की टीम आमने- सामने होंगी।

जडेजा ने धोनी को सौंपी चेन्नई की कमान

अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए छोड़ी कप्तानी

मुम्बई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने शनिवार को घोषणा की कि रवींद्र जडेजा ने सीएसके की कप्तानी की कमान वापस महेंद्र सिंह धोनी को सौंप दी है।

वह सीएसके की कमान 2008 से संभाले हुए थे। उन्होंने अपनी टीम की कमान इस साल आईपीएल शुरू होने से पहले जडेजा को सौंप दी थी। फ्रेंचाइजी ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि जडेजा ने धोनी से सीएसके की कमान को वापस संभालने और अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने का निवेदन किया था। इससे पहले सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दावा किया था कि धोनी ने उनसे आईपीएल 2021 सत्र में टीम की कप्तानी जडेजा को देने को कहा था। सीएसके ने अपने बयान में कहा, धोनी ने सीएसके की कप्तानी की कमान संभालने और जडेजा को अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की अनुरोध को स्वीकार कर लिया। ल्लेखनीय है कि जडेजा के नेतृत्व में सीएसके ने इस सत्र में खराब शुरुआत करते हुए आठ मैच में से सिर्फ दो मैच जीत पायी है। इसी कारण सीएसके प्लेऑफ से बाहर होने के कगार पर है। जडेजा अपने खराब फर्म से जूझ रहे हैं। उन्होंने इस सत्र में अब तक 22.40 के औसत से सिर्फ 112 रन बनाए हैं जबकि आठ मैचों में वह मात्र पांच विकेट लेने में कामयाब हुए हैं। धोनी इस सत्र में अपनी पहली कप्तानी रविवार को पुणे में सनराइजर्स हैदराबाद के केन विलियमसन खिलाफ करेंगे, जो अंक तालिका में शीर्ष भाग में है।

उमरान मलिक आईपीएल 2022 की खोज : गांगुली

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 के सीजन में अब तक कई भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट प्रेमियों को प्रभावित किया है। इसमें इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर, गेंदबाज युजवेंद्र चहल, आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज उमरान मलिक हैं। उधर, बीसीसीआई के अध्यक्ष उमरान मलिक से काफी प्रभावित हैं। आईपीएल के 15वें सीजन में गेंदबाजों ने भी अपना स्तर ऊंचा रखा है, जिनमें उमेश यादव, टी नटराजन और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, जो पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। हालांकि, इन सबके अलावा एक खिलाड़ी जिसने सबका ध्यान खींचा है वह है सनराइजर्स हैदराबाद के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक। जम्मू शहर का ये 22 वर्षीय खिलाड़ी इस समय चर्चा का विषय है, जिसकी चर्चा अब बीसीसीआई में भी होने लगी है। अक्सर 150 किमी प्रति घंटे को पार करने वाले उमरान मलिक ने जितना क्रिकेट प्रेमियों को प्रभावित किया है, उतना ही सौरव गांगुली का ध्यान खींचा है। उमरान को सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल ऑक्शन से पहले रिटेन किया था। वे अब पर्पल कैप की रेस में आ गए हैं। यहां तक कि सौरव गांगुली ने उन्हें आईपीएल के इस सीजन का अब तक का टूर्नामेंट का फेस बताया है। केकेआर के पूर्व कप्तान और मौजूदा बीसीसीआई बॉस सौरव गांगुली ने कहा है, ओह, यह बहुत दिलचस्प है, मैं (आईपीएल) देख रहा हूं। कोई भी टीम जीत सकती है और हर कोई अच्छा खेल रहा है। दो नई टीमें-गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स-अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। उमरान मलिक की गेंदबाजी छाप छोड़ने वाली रही है। उमेश यादव ने भी अच्छी गेंदबाजी की है और खलील अहमद ने भी। मैं कहूंगा कि उमरान मलिक अब तक लीग का उत्कृष्ट चेहरा रहे हैं।

पुजारा ने कांउटी में लगातार दूसरा दोहरा शतक जड़ा

होव। खराब फॉर्म के कारण भारतीय टेस्ट टीम में बाहर चल रहे चेतेश्वर पुजारा ने लगातार दूसरे मैच में ससेक्स के लिए दोहरा शतक लगाया। पुजार के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उनकी अगामी सीरीज में भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हो सकती हैं। डरहम के खिलाफ काउंटी चैम्पियनशिप के दूसरे डिवीजन के इस चार दिवसीय मैच में पुजारा शनिवार को 334 गेंद में 203 रन बनाकर आउट हुए। दिन की शुरुआत 107 रन से करने वाले इस दिग्गज बल्लेबाज ने अपनी पारी में 24 चौके जड़े। उनके दोहरे शतक की मदद से ससेक्स ने 538 रन बनाकर पहली पारी में 315 रन की बढ़त हासिल कर ली। डरहम की पहली पारी 223 रन पर सिमटी थी। भारतीय टीम में वापसी की राह देख रहे पुजारा का पांच पारियों में यह तीसरा शतक है। उन्होंने इस दौरान ससेक्स के साथ अपने पदार्पण मैच में छह और नाबाद 201 रन बनाये थे जिससे टीम ने डर्बीशर के खिलाफ फॉलोऑन मिलने के बाद मैच ड्रॉ कराया था। उन्होंने इसके बाद वॉस्टरशर के खिलाफ 109 और 12 रन की पारियां खेली थी। इस मैच में हालांकि उनकी टीम को 34 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में पहुंचीं नाओमी ओसका

मैड्रिड। पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने शुक्रवार को यहां मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने पहले दौर के मुकाबले में क्वॉलीफायर अनास्तासिया पोटापोवा पर 6-3 6-1 की आसान जीत दर्ज की।

चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने अवसाद का हवाला देते हुए पिछले साल फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया था। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंची डेनियल कोलिंस ने 2016 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मोनिका पुइग पर 7-5 6-0 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। जेसिका पेगुला और मारिया सकारी ने भी अपने मुकाबले जीते।

कोरोना के कारण एशियाई खेलों के स्थगित होने का खतरा

नई दिल्ली। भारत के आगामी एशियाई खेलों में भाग लेने का फैसला खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने चीन के पाले में डाल दिया है। ठाकुर ने कहा कि इस साल होने वाले एशियाई खेलों में भारत की भागेदारी पर फैसला चीन की तरफ से फीडबैक मिलने के बाद ही लिया जाएगा। चीन का शंघाई शहर इस वक्त कोविड-19 की चपेट में है और वहां महीने भर से लॉकडाउन लगा है। इसकी वजह से राजधानी बीजिंग में भी कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। हांग्झोउ एशियाई खेलों का आयोजन इस साल 10 से 25 सितंबर तक होना है लेकिन अफवाहों की मानें तो इसे महामारी की वजह से स्थगित किया जा सकता है। अनुराग ठाकुर ने कहा, वहां (चीन) की क्या परिस्थिति है और मेजबान देश स्थिति के बारे में क्या कहता है, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, भाग लेने वाले सभी देश इसपर चर्चा कर रहे हैं और जल्दी ही भारत भी फैसला लेगा लेकिन उससे पहले मेजबान देश का पक्ष और यह जानना जरूरी है कि उनकी तैयारी कैसी है। चीन में महामारी की वजह से कई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं को रद्द कर दिया गया है। 2022 पैरालंपिक और शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन भी सख्त नियमों और पाबंदियों के बीच बंद दरवाजे में किया गया।

अमेरिका में क्रिकेट के विस्तार के लिए निवेश करेगा शाहरुख खान का नाइट राइडर्स समूह

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स की स्वामित्व वाली नाइट राइडर्स समूह वेस्टइंडीज के बाद अब अमेरिका में भी क्रिकेट में निवेश करेगा। वह लॉस एंजेलिस के निकट एक स्टेडियम बनवाएगा, जिसमें 2023 के मेजर क्रिकेट लीग के मैच हो सकते हैं। इससे पहले कैरेबियन प्रीमियर लीग में नाइट राइडर्स की स्वामित्व वाली एक टीम ट्रिनबागो नाइट राइडर्स खेलती है। वहीं अमेरिका के मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में भी समूह का निवेश है। दक्षिणी कैलीफॉर्निया में बन रहे इस स्टेडियम की क्षमता कम से कम 10 हजार होगी।

ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दूरी बना कर रहे हैं। सदियों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुष्ठ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था। इस आइलैंड का नाम स्पिनालॉन्गा आइलैंड है। ये यूनान के सबसे बड़े क्रीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पड़ा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में क्रीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके बाद यूनानी सरकार की बहुत आलोचना हुई। जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। इसके बाद से स्पिनालॉनगा आइलैंड वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिपः सेमीफाइनल में हारीं सिंधु

टूर्नामेंट में कांस्य पदक के साथ समाप्त किया अपना अभियान

मनीला। भारतीय बैडमिंटन स्टार और ओलंपिक रजत विजेता पीवी सिंधु का एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप में सफर शनिवार को सेमीफाइनल में टॉप सीड जापान की अकाने यामागुची के हाथों तीन गेमों की संघर्षपूर्ण हार के साथ थम गया। इस हार के बाद सिंधु का कांस्य के साथ टूर्नामेंट में अपना अभियान समाप्त किया।

यह इस टूर्नामेंट में सिंधु का दूसरा पदक है, उन्होंने 2014 गिमचियोन चरण में भी कांस्य पदक जीता था। हैदराबाद की खिलाड़ी ने पहला गेम 16 मिनट में आसानी से जीत लिया था। यामागुची ने चौथी सीड सिंधु को एक घंटे छह मिनट तक चले मुकाबले में 13-21,21-19, 21-16 से पराजित किया और फाइनल में जगह बना ली। यामागुची का इस जीत के साथ सिंधु के खिलाफ 9-13 का रिकॉर्ड हो गया है। सिंधु ने जापानी खिलाड़ी से पहला गेम जीता लवेकिन इस लय को वह अगले दो गेमों में बरकरार नहीं रख पायीं और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हैदराबाद की खिलाड़ी ने पहला गेम 16 मिनट में आसानी से जीत लिया था। दूसरे गेम में चौथी वरीय सिंधु पर अंक के बीच में ज्यादा समय लेने के लिये एक अंक की पेनल्टी लगायी गयी जिससे रैफरी के साथ उनकी बहस हो गई। इस बहस से लय टूट गई और यामागुची ने मुकाबला बराबरी पर ला दिया। जापान की खिलाड़ी ने लय हासिल कर ली और सिंधु को वापसी का मौका नहीं दिया। निर्णायक गेम में सिंधु शुरू से ही पिछड़ रही थीं। अंत में यामागुची ने पांच मैच प्वाइंट हासिल कर अंक जुटाये। सिंधु की हार से भारत की व्यक्ति गत महाद्वीपीय चैंपियनशिप में चुनौती भी समाप्त हो गई हैं।

क्या ट्विटर के बाद स्विगी को भी खरीदेंगे एलन मस्क? शुभमन गिल ने ट्वीट कर किया अनुरोध

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के बारे में तो आप सब जानते ही होंगे और जिन्हें नहीं पता है उन्होंने ट्विटर के साथ उनकी डील की खबरें पढ़ी ही होंगी। एलन मस्क ने ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर यानी की 3368 अरब रुपए की कीमत पर खरीद लिया है। इसी के साथ ही एलन मस्क को अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भर-भरकर सुझाव मिल रहे हैं। ऐसे में लखनऊ सुपर जाइटंस के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने उन्हें एक सुझाव दिया है। शुभमन गिल ने हैशटैग स्विगी के साथ ट्वीट किया कि एलन मस्क कृपया स्विगी खरीदें ताकि वे समय पर डिलीवरी कर सकें। शुभमन गिल के ट्वीट करने के कुछ मिनट बाद ही पोस्ट वायरल हो गया और इस पर जमकर प्रतिक्रियाएं आने लगी। कुछ यूजर्स ने तो शुभमन गिल को भी ट्रोल किया। खबर लिखे जाने तक शुभमन गिल के पोस्ट पर 50 हजार से ज्यादा लाइक्स, 2700 से अधिक रिट्वीट हो चुके हैं।

गंगा में डूबने से दो श्रद्धालुओं की मौत, स्नान करते वक़्त हुआ हादसा

प्रखर मिजार्पुर। विन्ध्याचल गंगा स्नान करते समय दो श्रद्धालुओं की डूबने से मौत हो गई । प्राप्त जानकारी के मछलीशहर , जौनपुर निवासी अनुसार दिलीप तिवारी अपने परिजनों सहित माँ विन्ध्यवासिनी के दर्शन हेतु आये थे । दर्शन के पूर्व परशुराम घाट पर सपरिवार गंगास्नान कर रहे थे उसी समय उनका पुत्र ऋषि तिवारी 17 वर्ष व खुशी तिवारी 13 वर्ष गहरे पानी मे समा गए । उनको बचाने के चक्कर मे परिवार के अन्य सदस्य भी डूबने लगे । मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार कुल छह लोग डूब रहे है । मौजूद नाविकों ने चार लोगों को तुरन्त पानी के बाहर निकाल लिया । कुछ देर पश्चात ऋषि तिवारी को तथा लगभग एक घण्टे पश्चात खुशी तिवारी को पानी के बाहर नाविकों ने खोजकर निकाल लिया । स्थानीयों की मदद से बारी बारी से दोनों को स्थानीय सामुदायिक

स्वास्थ्य पहुँचाया गया जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया । भाई बहन की मौत से परिजनों का रोरोकर परिजनों का बुरा हाल हो गया । पुलिस ने दोनों मृतशरीर को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया । विगत एक महीने में उसी स्थान पर यह दूसरी घटना घटी । जिलाप्रशासन इन घटनाओं को लेकर सवालों के घेरे में है , तो वहीं जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे है । वर्ष में मात्र दोनों नवरात्रों के दरम्यान कुल अट्ठारह दिनों के लिए ही शासन , प्रशासन की व्यवस्थाएं सिमट कर रह जाती है । तो क्या अन्य दिनों विन्ध्य क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालु मानव श्रेणी में नही आते । प्रत्येक वर्ष लगभग दर्जनभर श्रद्धालुओं की मृत्यु गंगास्नान के समय डूबने से हो जाती है । घटना के समय सभी मौके पर पहुँचकर पीड़ितों से मिलकर शोक संवेदना भी व्यक्त करते है । भविष्य में घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए बढ़चढ़ कर बोल बचन प्रस्तुत कर सभी साहबान वापस चले जाते है । मौके पर घटनारोधी कोई उपाय नही होता और पुनः किसी अनहोनी की प्रतीक्षा में लोग बैठे रहते है । अरबों रुपये की लागत से जिनको लुभाने के लिए योजनाएं प्रगतिशील है , उन्ही श्रद्धालुओं के जीवनमूल्यों का कोई महत्व नहीं।

समाज सेवी ने वट वृक्ष लगाकर लोगों को किया जागरूक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। करंडा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरौली पंचायत भवन में वट वृक्ष लगाकर समाजसेवी अनीश यादव व आयुष यादव ने समाज को एक नया दिशा दिखाने का काम किया। इस दौरान वँहा मौजूद आयुष

यादव ने बताया कि अर्थ डे यानी पृथ्वी दिवस हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाता है, ताकि पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके और वैश्विक जलवायु संकट को स्वीकार कर सकें। हर गुजरते साल के साथ जल वायु खराब होती जा रही है और यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी प्रकृति को बचाने और संरक्षित करने में मदद करें। आयुष यादव ने वट वृक्ष लगाते समय अपने साथियों और अपने क्षेत्र के लोगों के साथ शपत ली और बोले कि आओ हम सब मिलकर वृक्ष लगाएं और वातावरण को शुद्ध बनाएं। इस संकल्प के साथ उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों से अपील करता हूं की आप लोग वातावरण को शुद्ध और जल को शुद्ध रखने के लिए हर घर से हर एक व्यक्ति एक एक पौधा लगाएं जिससे वातावरण शुद्ध हो जाए और हमारा देश महामारी जैसे तमाम रोगो से बच जाए। इस दौरान उनके साथ आयुष, जय, सुमेश कोटेदार, अशोक एव युवा समाज सेवी अनीश यादव तथा ग्रामवासि उपस्थित रहे।

मलबा फेक कर अतिक्रमण किए गए सड़क को खाली कराने के लिए चलाया गया बुलडोजर

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। वाराणसी शक्तिनगर SH 5 मार्ग स्थित चित्त विश्राम तिराहे के पश्चिम लेन सड़क पर मलबा फेंक कर काफी दिनों से किए गए अतिक्रमण को सड़क निर्माण कंपनी एसीपी के उच्च अधिकारियों के निर्देश के बाद बुलडोजर चलाकर हटाया गया मलबा ज्ञात हो कि बरसात के दिनों में अक्सर बारिश के बाद सड़क के एक तरफ घुटने भर पानी लग जाता था पानी निकलने का कोई उपयुक्त साधन ना होने से पानी सड़क पर ही पड़ा रहता था जिससे पानी से मच्छर व बदबू दे रहा था जिसे देखते हुए आसपास के दुकानदारों ने मिट्टी का ढेर रखकर पानी तो पाट दिया पर मिट्टी के ढेर से आधी सड़क पर अतिक्रमण की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिस वजह से आए दिन तिराहे पर

दुर्घटना होती रहती थी देर से ही सही सड़क निर्माण कंपनी की नजर इस अतिक्रमण पर पड़ी ।जिसे बुलडोजर चलाकर आज हटाया गया, वहीं समाजसेवी वीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह महादेव ने सड़क निर्माण कंपनी के अधिकारियों से गुहार लगाई है कि दोबारा बारिश का पानी सड़क पर ना लगे इसकी भी मुकम्मल व्यवस्था की जाए जिससे कि आसपास के दुकानदारों समेत राहगीरों को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े एवं आवागमन भी सुचारू रूप से चालू रहे।

धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस

प्रखर गाजीपुर। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर लोक मजदूर किसान संघर्ष सेवा सं.गाजीपुर के द्वारा धूमधाम से आदर्श बाजार संत श्री पव्हारी बाबा गेट के पास स्थित अति प्राचीन शिव मंदिर परिसर में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस की बैठक किया गया इसके अंतर्गत बैठक की अध्यक्षता जे. एस. जनार्दन जिला अध्यक्ष जिसमें जिले के एवं ब्लॉक स्तर के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे इस बैठक में काफी संख्या में श्रमिक मौजूद रहे और अपने जिला अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किए जिला सचिव, सत्येंद्र कुमार, जिला कोषाध्यक्ष पुष्पा कुशवाहा ,उमेश कुमार बिंद ,रंजीत प्रजापति, बबलू,अंजली, मुन्ना राय शोभनाथ ,खरपत राम ,रामाशीष, संजय, प्रमोद आदि लोग मौजूद रहे।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों व बीजेपी पदाधिकारियों ने सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर का किया स्वागत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर पहुंचे काशी हिंदू विश्वविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों व बीजेपी पदाधिकारियों ने किया स्वागत। मंत्री ने कहा कि मैं अपनी यादों को ताजा करने आया हूं मंत्री ने कहा मेरे लिए परम सौभाग्य है कि मैं महा मना के मंदिर में सम्मानित हो रहा हूं भारत सरकार ने युवाओं के लिए छात्रों के लिए नई शिक्षा नीति लागू की है अभी तक हमारा शिक्षा मंत्रालय नाम तक नहीं था। अटल जी ने यह पहल की थी कि शिक्षा मंत्रालय बने जो पूरा हुआ पूर्व की सरकार की नहीं निर्भरता दूसरे दलों पर रही और इसलिए यह कार्य नहीं हो पाया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए अग्रिम भूमिका में रहे सीएचएस के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि मुझे उसकी जानकारी नहीं है हमारे संज्ञान में कोई मामला आएगा तो उसकी उचित संबंधित विभाग से बात की जाएगी कोऑपरेटिव विभाग का हाल बहुत ही खस्ता है पिछले कार्यकाल में इस गड्ढे को भरने की कोशिश की गई साधन सहकारी समितियों के साथ हम उसको और बेहतर करने के लिए कार्य कर रहे हैं डिस्टिक को-ऑपरेटिव बैंक जो कर्ज में डूबी हुई है उनको उनको सही से संचालित करने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 50 में से 16 के लाइसेंस को निरस्त कर दिया है उसको फिर से बहाल कर व्यवस्थित तरीके से चलाना कृषकों को अच्छे से अच्छे और बेहतर सेवाएं हो सके उनके गेहूं की उपज हो रही है आज अच्छा मूल्य मार्केट में भी मिल रहा है फिर भी मैंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है 70% सहकारिता विभाग गेहूं खरीद ता है उनको 72 घंटे में सभी के गेहूं का मूल्य भुगतान किया जाए इसके आगे यूरिया खाद की जो जरूरतें हैं उसको भी पूरा किया जाए इसको द्वारा नई तकनीक से नैनो यूरिया का आविष्कार किया गया है एक बड़ा बैग होता है जो 45 किलो का होता है उसको 500 मिलीलीटर उसको आधा लीटर बॉटल से रिप्लेस कर रहे हैं उस नैनो यूरिया के बारे में प्रचार प्रसार किया जा रहा है 5 मई से 15 मई तक सभी ब्लाकों पर एक संगोष्ठी कृषकों के साथ कराई जा रही है ताकि नैनो यूरिया के बारे में जागरूकता बड़े और नैनो यूरिया का उपयोग हमारे कृषक कर सकें।

जेपी डिग्री कालेज में वितरित किया गया स्मार्टफोन, खिल उठे चेहरे

प्रखर मिजार्पुर। उत्तर प्रदेश सरकार के निशुल्क स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत जोखू लाल प्यारी देवी डिग्री कॉलेज भटेवरा कलना मिजार्पुर में स्नातक फाइनल ईयर के छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया। शासन के आदेश अनुसार सभी स्नातक एवं परास्नातक के फाइनल ईयर के छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित करना अनिवार्य कर दिया गया है जहां पूरे प्रदेश में सभी बच्चों को स्मार्टफोन वितरित किया जा रहा है वही आज दिनांक 1 मई 2022 को कॉलेज के प्रबंधक डॉ रमेश कुमार के अध्यक्षता में सभी 175 छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया। ग्राम प्रधान ने स्मार्टफोन वितरित कर कार्यक्रम की शुरूआत की ये। स्मार्टफोन पाते ही विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे ।बच्चों का कहना था स्मार्टफोन ना होने से उनके पढ़ाई में असुविधा उत्पन्न होते थे लेकिन अब स्मार्टफोन पा जाने से ऑनलाइन पढ़ाई अथवा डिजिटल पढ़ाई आसान हो गया। स्मार्टफोन होने से किसी भी प्रश्न का उत्तर बड़े ही सरल ढंग से मिल जाएगी। सभी छात्र छात्राओं ने मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी , प्रबंधक रमेश कुमार का दिल से धन्यवाद किया। रामनाथ गुप्ता ने छात्र-छात्राओं से अपील किया स्मार्टफोन का उपयोग केवल शिक्षा के क्षेत्र में करें जिससे आपका विकास हो सके। कॉलेज के प्राचार्य ने सभी छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना किए। ग्राम प्रधान रामपुर कपिंजल बिंद,जोखू लाल प्यारी देवी डिग्री कॉलेज के अध्यक्ष डॉक्टर दिनेश कुमार, प्रबंधक डॉ रमेश कुमार, प्राचार्य सुरेश चंद्र मिश्रा, चमेला देवी इंटर कॉलेज के प्रबंधक रामनाथ गुप्ता, वर्षा सिंह, अजय कुमार, संतोष कुमार, डॉ मनोज कुमार, जग नारायण मौर्य, आशीष कुमार, कमलेश,सहित सभी अध्यापक गण मौजूद रहे।

बीत रहा माहे रमजान ईद की तैयारियों में बाजार हो रहे गुलजार

प्रखर ब्यूरो मुहम्मदाबाद/गाजीपुर। रमजान का महीना अपने आखरी असरे की तरफ है और मुकद्दस माह में इबादत के इस महीने में अपने रब को राजी करने के लिये बड़ा इनाम का वादा किया गया है। जैसे-जैसे माहे रमजान बीत रहा है वैसे-वैसे लोगों के बीच ईद की तैयारियां भी बाजार में जोरों पर है। बाजार में लोग अपने घर वालों के लिये खरीददारी में तेजी ला दिया है। सेवईयां, कपड़े और जूते चप्पल की दुकानों पर लोगों की भीड़ प्रमुखता से देखी गईं। जो लोग घर से बाहर कारोबार और नौकरी पेशा की गरज से दूर प्रदेशों में रहते हैं, उनका भी अपने घरों की तरफ परिवार के बीच आना प्रारम्भ हो गया है। कोरोना काल में दो वर्षों से ईदगाह में नमाज से रोक थी। परन्तु इस वर्ष सरकार और प्रशासन की गाइडलाइन के अनुसार नमाज के लिये पेश इमाम ने पालन करने का निर्देश दिया है। अब सभी को चाँद के दिखने का इंतजार है। जिसके बाद ईद की नमाज अदा की जायेगी।

कानफाडू आवाज में नहीं बजेंगे ध्वनि विस्तारक यंत्र व डीजे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज कल शादी विवाह व अन्य शुभ अवसर पर काफी तेज ध्वनि से गाने बजाए जाते हैं। इससे ध्वनि प्रदुषण फैल रहा है। इसी ध्वनि प्रदूषण को रोकने व कम करने को लेकर स्थानीय मुहम्मदाबाद, यूसुफपुर कोतवाली परिसर में आज 1 मई दिन रविवार को लगभग 11:30 बजे डीजे व ध्वनि विस्तारक यंत्र के संचालकों

की एक सभा बुलाई गई। इस अवसर पर नगर क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों के सभी डीजे व ध्वनि विस्तारक यंत्र के संचालक कोतवाली परिसर में उपस्थित हुए। आसपास के ग्रामीण क्षेत्र जैसे हरिहरपुर, तिवारीपुर, बालापुर, मूर्कि, परसा, राजापुर से भी डीजे संचालकों को बुलाया गया। बताते चले कि आज लगभग 11:30 पर कोतवाली परिसर में नगर के सभी ध्वनि विस्तारक यंत्र और डीजे संचालकों की एक सभा बुलाई गई। इस सभा में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के ही सभी डीजे संचालकों और ध्वनि विस्तारक यंत्र के संचालकों को भी बुलाया गया। सभा में कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार मिश्रा ने उपस्थित सभी संचालकों को सर्वोच्च न्यायालय व प्रदेश सरकार के आदेश की एक प्रति सबको सौंप बताया कि ध्वनि विस्तारक यंत्र को कॉनफोडू आवाज में ना बजाया जाए। साथ ही यह बताया कि जितने भी डीजे संचालक है वह भी कम आवाज में ही डीजे का ध्वनि रखेंगे। इससे उन स्थलों पर जहां लोग कहीं ना कहीं परेशान है या डीजे की ध्वनि से परेशानी उत्पन्न हो रही है, वहां के नागरिकों को राहत मिलेगी। दूसरी ओर अत्यधिक ध्वनि से ध्वनि प्रदूषण रुकेगा। इससे उन स्थानों पर लोग आराम से रह सकेंगे तथा इस परेशानी से निजात मिलेगी। वहां किसी भी प्रकार से ध्वनि प्रसार यंत्र का प्रयोग नहीं होगा। जीस प्रकार उन्होंने संचालकों को शासनादेश की स्पष्ट रुप से बैठक की और समझाया।

आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के हक अधिकार एवं सम्मान को लेकर अधिकार सभा एवं सम्मान समारोह शास्त्री घाट पर हुआ संपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश आँगनवाड़ी कर्मचारी कल्याण एसोसिएशन के बैनर तले वाराणसी में वरुणापुल स्थित शास्त्रीघाट पर आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के हक अधिकार एवं सम्मान को लेकर अधिकार सभा एवं सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ तथा माँगों का ज्ञापन को सौंपा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश आँगनबाड़ी कर्मचारी कल्याण एसोसिएशन के प्रांतीय संरक्षक एवं जिलाध्यक्ष वाराणसी बाबूलाल मौर्य ने प्रथम सत्र में कहा की बिना कार्य दायित्वों की सेवा नियमावली बनाये। आँगनबाड़ी कार्यकताओं से मनमाने तरीके से कार्य कराया जाता है। पारिश्रमिक देने के नाम पर योगी सरकार मानदेय बढ़ाने की घोषणा करती है कि मानदेय बढ़ा दिया गया लेकिन आज तक कोई भी बढ़ा मानदेय नहीं मिला। जिससे प्रदेश की आँगनबाड़ी कर्मचारियों में रोश एवं असंतोष व्याप्त है।

अधिकार सभा को सम्बोधित करते हुए आँगनबाड़ी पदाधिकारियों

ने निम्न माँग किया है -

1. आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाय`

2. आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को राज्य कर्मचारियों की भाँति सेवा नियमावली बनायी जाय`

3. आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को 62 वर्ष सेवा उपरान्त सेवा निवृत्ति के समय एकमुस्त फण्ड एवं आजीवन जीविकोपार्जन हेतु पेंशन दिया जाय।

4. आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को विभागीय कार्य के अतिरिक्त अन्य किसी विभाग का कार्य न लिया जाय जब तक शासकीय कर्मचारी घोषित न हो जाय`

5. आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं की आकस्मिक मृत्यु सेवाकाल में होने पर उनके आश्रितों को वरियता के आधार पर रखा जाय उक्त सीट पर बाहर से भर्ती न की जाय`

6. आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के पदोन्नति में 50 वर्ष की आयु सीमा पर प्रतिबन्ध पर रोक लगायी जाय। अधिकार सभा के माध्यम से पूरा करने हेतु पुनः माँग किया गया`

अधिकार सभा के द्वितीय सत्र में आँगनवाड़ी कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर एवं पूनम मौर्या अध्यक्ष जिला पंचायत वाराणसी एवं हंसराज विश्वकर्मा जिलाध्यक्ष भाजपा वाराणसी को प्रतीक चिन्ह एवं अंग वस्त्र भेंट किया तथा माल्यार्पण कर स्वागत किया। उपस्थित अतिथियों ने आँगनवाड़ी कार्यकताओं के माँगो को जायज बताया। इनके कार्यों की सराहना करते हुए सरकार से माँग पूरी करवाने की बात कही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संयोगिता कुमारी, गीता सिंह, शकुन्तला यादव, अंजना सोनी, शैल सिंह, सिंधु गिरि, रानू मौर्या, मनोरमा देवी, विजय कुमार पाण्डेय, शशिकला पाल, सरिता पाण्डेय, नगीना देवी, कृष्णा जायसवाल, अम्बिका सेठ, सीता साहनी, सुदामा देवी, मीना कुमारी, रेखा श्रीवास्तव सहित सैकड़ों आँगनवाड़ी कर्मचारियों ने समस्याओं के निदान एवं हक अधिकार के लिए जोरदार तरीके से सरकार से गुजारीश की मेरे साथ हो रहे ना इंसाफी पर रोक लागायी जाय। कार्यक्रम का संचालन लीला सिंह ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन अंजनी मौर्या ने किया।

संक्षिप्त खबरें

जालसाज ने नौकरी दिलाने नाम पर किया तीन लोगों से 21 लाख की ठगी

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तरियारी निवासी सुनील यादव ने कोतवाली में तहरीर देकर अपने और अन्य दो लोगो के साथ नौकरी दिलाने के नाम पर हुई 21लाख रुपये की जालसाजी को लेकर न्याय की गुहार लगाई है। गौरतलब है कि विवेक यादव पुत्र महेन्द्र यादव निवासी ग्राम झमका ने सुनील यादव निवासी तरियारी ने तीन लाख नकद और नौ लाख खाते में ट्रान्सफर कराया। वही सतपाल यादव पुत्र योगेन्द्र यादव निवासी शहाबुद्दीनपुर से छह लाख और मिथिलेश यादव पुत्र लल्लन यादव के भाई विकास से तीन लाख रुपये एफसीआई विभाग में सुपरवाइजर की नौकरी लगवाने और फर्जी नियुक्ति पत्र देते हुये की 21 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया। अपने साथ हुई ठगी की जानकारी होने पर सुनील समेत अन्य पीड़ितों ने जब अपने रुपये मांगने विवेक के पास गये तो उसने धमकाते हुये सबको भगा दिया। पीड़ित का कहना है कि विवेक ने कहा है कि यदि पुलिस के पास जाओगे तो जान से हाथ धोना पड़ जायेगा। वही पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच पड़ताल करते हुये जालसाज विवेक यादव के खिलाफ 406,419,420, 467,468 और 506 कि धारा में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी के गिरफ्तारी हेतु दविश तेज कर दिया। वही जालसाज फरार बताया जा रहा है। इस बाबत केराकत कोतवाल संजय वर्मा ने कहा कि मामला संज्ञान में है मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबीश दी जा रही है।

पति मुंबई में पत्नी ने कर ली दूसरी शादी, गौराबादशाहपुर पुलिस कर रही है पंचायत

प्रखर केराकत जौनपुर। पति मुंबई में है पत्नी ने दूसरी शादी कर ली। गौर करने वाली बात यह है कि पत्नी के दो बच्चे भी हैं। अब पत्नी और उसका नया पति गौराबादशाह पुर थाना पुलिस की हिरासत में हैं। केराकत कोतवाली थाना क्षेत्र के भौरा गांव निवासी अखिलेश सरोज की शादी गौराबादशाह पुर थाना क्षेत्र के कैरामऊ निवासी लक्ष्मी से 9 साल पहले हुई थी। अखिलेश और लक्ष्मी के दो बच्चे भी है। अखिलेश रोजी रोटी के लिए मुंबई रहता है। लक्ष्मी अक्सर अपने मायके में रहती थी। वहीं से वह मोबाइल रिचार्ज आदि के सिलसिले में सेवई नाला पर स्थित एक मोबाइल की दुकान पर आती जाती थी मोबाइल का दुकानदार अमर सिंह भी केयरामऊ का था। दोनों में नजदीकी बढ़ी तो दोनों ने शीतला माता मंदिर में जाकर शादी कर ली। लक्ष्मी किराये के एक मकान में रहती थी। जहां अक्सर आवारा किस्म के लोगों का जमावड़ा होने लगा। इसकी सूचना जब मुफ़्तीगंज पुलिस को हुई तो उसने लक्ष्मी को हिरासत में ले लिया। लक्ष्मी के हिरासत में लेने पर पूरी कहानी का पता चला। लक्ष्मी और उसके पहले पति के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों की सिफारिश पर मुफ़्तीगंज पुलिस ने लक्ष्मी और उसके नये पति अमर सिंह को गौरबादशाहपुर पुलिस को सौंप दिया। गौरा पुलिस मामले में पंचायत कर रही है।

पीएचसी पर लगा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला

प्रखर चंदवक जौनपुर। क्षेत्र के बजरंग नगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सी एच सी डोभी के सहयोग से मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला लगा जिसमे 65 मरीजो का परीक्षण कर दवाइयां दी गईं।बजरंगनगर डॉक्टर अशोक कुमार सोनकर व चिकित्साधीक्षक डॉ एस के वर्मा के बताया कि स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रत्येक रविवार को स्वास्थ्य मेले लगाए जाएंगे जिससे मरीजो को उचित सुविधा मिल सके।इस अवसर पर होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ शिशिर शुक्ला, डॉ स्वाति चौहान, सहित अन्य लोग रहे।

श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमिकों का सम्मान समारोह कर दिया गया प्रमाण पत्र

प्रखर संतकबीरनगर। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर खलीलाबाद विकासखंड के सभागार में खंड विकास अधिकारी रेनू चौधरी द्वारा मनरेगा योजना में 100 दिवस कार्य किए श्रमिकों का सम्मान किया गया जिससे कि ग्रामीण मनरेगा जॉब कार्ड धारकों का शहरों की तरफ पलायन को रोका जा सके एवं मनरेगा के मूल्य उद्देश्य की पूर्ति हो सके कार्यक्रम के दौरान करीब 200 श्रमिक मजदूरों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया इस अवसर पर एपीओ योगेंद्र कुमार पाण्डेय, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा,लेखाकार रामबिलास, तकनीकी सहायक आशीष कुमार पांडे सहित ब्लाक के लोग मौजूद रहे।

महोगढ़ी ग्राम पंचायत की महिला ने लगाई फांसी, अधूरा आवास बना मौत का कारण

प्रखर मिजार्पुर। ग्राम पंचायत महोगढी के अंतर्गत भैसोड जेर की निवासिनी उषा देवी नामक महिला ने आवास पर छत डलवाने की धमकी पाने के बाद जेल जाने की धमकी देने तथा दबाव बनाने के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया ।प्राप्त जानकारी के अनुसार गाव भैसोड जेर निवासिनी उषा देवी पत्नी सूर्यनारायण को ग्राम पंचायत के माध्यम से एक प्रधानमंत्रीआवास आवंटित हुआ था जो अभी अधूरा है ।उसकी छत अभी नहीं पड़ी थी और उस आवास को जांच करने के लिए गये दो लोगों ने महिला के पति को हडकाया धमकाया और जेल भेजने की धमकी दी । महिला को इस तरह से मानसिक उत्पीड़न किया जिससे दबाव में आकर जेल जाने के डर से उषा देवी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतका के पति सूर्यनारायण जो एक अनुसूचित जाति का नागरिक है उसने पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि छत डलवाने की धमकी के कारण उसके पत्नी उषा देवी ने आत्महत्या कर लिया।धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई किये जाने के लिए मृत महिला के पति ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है।

विन्ध्य कॉरिडोर में शुरू हुआ सड़क पर पत्थर लगाने का कार्य

प्रखर मिजार्पुर। विंध्याचल विन्ध्य कॉरिडोर में शनिवार की शाम से सड़क पर पत्थर लगाने का कार्य प्रारम्भ हो गया । कुछ दिनों पूर्व मन्दिर के उत्तर तरफ पत्थर के खंभे लगना प्रारम्भ

हुआ था । मण्डलायुक्त योगेश्वरराम मिश्र को विन्ध्यधाम तीर्थ विकास का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है तबसे कॉरिडोर कार्य तेजी देखने को मिल रही है । शुक्रवार की शाम को पुरानी व्हीआईपी मार्ग पर सात मीटर चौड़ा व 440 मीटर लंबे सड़को पर राजस्थानी मजदूरों द्वारा पत्थर बिछाने का कार्य प्रारम्भ हुआ ।

सेठ एम. आर. जैपुरिया स्कूल्स बनारस के बाबतपुर कैम्पस में रंगारंग विदाई समारोह विधाया 2022 संपन्न

अनुष्का श्री बनी मिस फेयरवेल एवं सिद्धांत सिंह बने मिस्टर फेयरवेल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सेठ एम. आर. जैपुरिया स्कूल्स बनारस के बाबतपुर कैम्पस में कक्षा- 12 के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह विद्यालय प्रांगण में बड़े ही धूम-धाम से आयोजित किया गया। विद्यालय की कक्षा 11 के छात्र झ छात्राओं की ओर से कक्षा 12 के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में गीत संगीत व नृत्य के कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये इस अवसर पर कक्षा 12 के बच्चों को उनके स्वभाव और प्रदर्शन के आधार पर उपाधियां प्रदान की गई। जिसमें जोया अख्तर अवार्ड श्रेया भारती, आकाश अंबानी अवार्ड- आशुतोष श्रीवास्तव, सुभद्रा कुमारी चौहान अवार्ड- अंजली सिंह, बी.के. सिवानी अवार्ड झ जान्हवी सिंह, हार्वे बाल अवार्ड- सिध्धान बरनवाल, रतन टाटा अवार्ड- अर्श अग्रवाल, एडवर्ड दी बोनो अंजु अग्रवाल, हैरी पॉटर अवार्ड-

कार्तिके सिंह, राधा किशन अवार्ड नवीन सिंह, कपिल शर्मा अवार्ड- राजश्री सोमवंशी, विजय लक्ष्मी पण्डित आर्यो सिंह, सचिन अवस्थी- हर्ष दोकनिया, एहसान नूरानी अवार्ड आयुष्मान पाठक, अंजना ओम कश्यप अवार्ड अनुष्का श्री , गौरव तनेजा अवार्ड हर्षित पाठक, नंदिता दास अवार्ड अनुश्री, सिद्धार्थ बसु अवार्ड गौरांग श्रीवास्तव इत्यादि प्रमुख रहे। इस विदाई समारोह में कक्षा 12 की अनुष्का श्री को मिस फेयरवेल व सिद्धान्त सिंह को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए चेयरमैन दीपक कुमार बजाज ने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में कई मोड़ बहुत महत्वपूर्ण होते है जिनमें कक्षा 12 की परीक्षा का विशेष स्थान है, यह परीक्षा और इसके परिणाम जीवन की दिशा तय करते है। अपनी शुभकामना देते हुए उन्होने कहा कि मेहनत व ईमानदारी से की गयी कोशिश छात्र छात्राओं को सुनहरे भविष्य की ओर ले जाएगी। इस अवसर पर कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभवों को साझा किया व अपने शिक्षकों का आभार प्रकट किया। कक्षा अध्यापकों ने भी बच्चों को इस आयोजन पर अपने आर्शीवचन से अभिसिंचित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुधा सिंह ने सम्बोधित करते हुए बच्चो को शुभाशीष दिया व उनके बेहतर भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार बजाज, अधिशासी निदेशक श्याम सुंदर बजाज, अनिल के. जाजोदिया, आयुष्मान बजाज, शैक्षणिक प्रबंधक नरेन्द्र पाण्डेय व अन्य उपस्थित थे।

जेई की लापरवाही, शहर के आधे हिस्से की बिजली रही ध्वस्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शहर क्षेत्र के रौजा उपकेंद्र की 33 केवी का केविल आज दिन रविवार की भोर में 3 बजे जमानिया मोड़ के पास जल गया, जिससे शहर के आधे हिस्से की बिजली गुल्ल हो गयी। उपखंड अधिकारी शिवम राय ने बताया कि 33 केवी रौजा की लाइट 3 बजे भोर में फाल्ट हो गयी थी, जिसमे हम अकेले अपने लाइनमैनों को लेकर पेट्रोलिंग किये, तब जाकर 5 बजे के आसपास जमानिया तिराहे के पास केबिल बॉक्स जला हुवा मिला। जिसको मौके पर मैं अपने साथियों संग नया केबिल बॉक्स लगाने का कार्य चालू कर दिया। उन्होंने बताया कि इधर जेई बिना हमसे बताये कल का ही वाराणसी अपने आवास चले गए, जिसमे हमे बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। आये दिन रौजा उपकेंद्र का जेई बिना बताए घर चले जाते हैं एव कभी भी समय से उपकेंद्र पर उपस्थित नही रहते हैं, जिसमे क्षेत्र के आम उपभोक्ताओं में जेई के प्रति काफी आक्रोश आये दिन देखने को मिलता हैं। आगे उन्होंने यह भी बताया कि केबिल बॉक्स बदलने की प्रकिया चालू हो गयी है। एसडीओ शिवम राय व उनके टीम के अथक प्रयास से जल्द ही सुबह 9:30 बजे तक सप्लाई सुचारू रूप से चालू कर दी गई।

चारा कटाई मशीन से ट्रैक्टर संचालक किसान की मौत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के टेकारी गांव में रविवार की सुबह ट्रैक्टर से चारा कटाई मशीन चलाते समय टेकारी गांव निवासी ट्रैक्टर संचालक किसान रामकुमार यादव उम्र 35 वर्ष की मौत हो गई।जानकारी के अनुसार रामाश्रय यादव अपने निजी ट्रैक्टर और चारा मशीन से गांव के ही बगल में चारा काटने की मशीन चला रहा था उसी दौरान मशीन में अचानक गड़बड़ी आने के कारण मशीन मे फसकर ट्रैक्टर चालक रामकुमार यादव की मौत हो गई।

उद्यान निरीक्षक निर्विरोध प्रांतीय उपाध्यक्ष निर्वाचित

प्रखर चंदौली । उद्यान विभाग चंदौली में कार्यरत निरीक्षक सुरेश मिश्र दिनांक 30 अप्रैल 2022 को अधीनस्थ उद्यान सेवा संघ उत्तर प्रदेश का प्रांतीय अधिवेशन व निर्वाचन उद्यान भवन सप्रू मार्ग लखनऊ में संपन्न हुए चुनाव में निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए हैं। गौरतलब है कि उद्यान विभाग चन्दौली में कार्यरत सुरेश मिश्र को निर्विरोध प्रांतीय उपाध्यक्ष चुना गया तथा आर के वर्मा अध्यक्ष, संदीप सिंह महामंत्री, संदीप प्रभाकर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नवनीत त्रिपाठी संयुक्त मंत्री, तथा पूणम रावत कोषाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर आरके तोमर निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण उत्तर प्रदेश एवं विभाग के वित्त नियंत्रक श्री जय मंगल राव जी भी उपस्थित रहे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष इंजीनियर हरि किशोर तिवारी महामंत्री श्री शिव बरन सिंह यादव तथा श्रीमती अमिता त्रिपाठी जिला अध्यक्ष राज्य कर्मचारी

संयुक्त परिषद जनपद शाखा लखनऊ जिला मंत्री श्री सुभाष चंद्र तिवारी एवं अमरजीत मिश्रा चेयरमैन संघर्ष समिति राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे विभाग के सभी संगठनों के प्रांतीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे निर्वाचन अधिकारी के रूप में श्री अंबिका नाथ सिंह डॉक्टर संजीव कुमार सिंह चौहान एवं केजी पाराशरी की देखरेख में चुनाव संपन्न हुआ निष्पक्ष चुनाव हेतु पर्यवेक्षक की भूमिका में श्री शेष श्रीवास्तव सहायक लेखा अधिकारी उपस्थित रहे इस अवसर पर अधीनस्थ उद्यान सेवा संघ के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री दूधनाथ मिश्र एवं श्री बसंत लाल मिश्रा ने भी अपना आशीर्वचन दिया निर्वाचन प्रक्रिया में प्रदेश के समस्त जनपदों के उद्यान संवर्ग के कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया अपने अध्यक्षीय भाषण में पूर्व अध्यक्ष श्री अविनाश श्रीवास्तव द्वारा नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई प्रदान की गई भूतपूर्व महामंत्री श्री अरविंद सिंह द्वारा सभी विजयी प्रत्याशियों को माल्यार्पण किया गया । इसमे कार्यक्रम में शुधांशू सिंह, राहुल शुक्ल लविन त्यागी पुष्पेंद्र, राजेश सिंह, सूरज वर्मा अरविंद वर्मा इत्यादि उपस्थित रहे ।

मरने के इरादे से रेलवे ट्रैक पर चल रही बालिका को मीडियाकर्मी ने बचाया

प्रखर महराजगंज। बृजमनगंज रेलवे स्टेशन के पटरी पर रविवार सुबह लगभग 6:30 बजे अकेले घूम रही 13 वर्षीय बालिका को किसी अनहोनी की आशंका मे मीडिया कर्मी ने समझा बुझाकर

महिला हेल्प डेस्क की मदद से परिजनों को किया सुपुर्द

पटरी से नीचे उतारे तथा पुत्री को ढुढ रही नानी से मिलाया परंतु बालिका अपने नानी के साथ जाने से मना करने पर पत्रकार साथी गौरव एवं जगदम्बा जायसवाल ने बच्ची को बृजमनगंज थाने के महिला पुलिस को सुपुर्द करते हुए कहा कि आज सुबह जब हम लोग रेलवे स्टेशन पर मार्निंग वाक कर रहे थे तब यह बच्ची प्लेटफार्म पर दिखी जो रेलवे टैक के बीचोबीच अकेले घुम रही थी उसके साथ कोई परिजन न दिखने पर संदेह की स्थिति बनी। वह टैक पर चलते हुए

काफी दूर निकल गई जब कि सामने से एक्सप्रेस ट्रेन के आने का संकेत हो गया था। तभी प्लेटफार्म पर एक महिला दिखाई दी जो किसी को तलाश कर रही थी पूछताछ में उसने बताया कि मेरी बच्ची घर से नाराज होकर गुस्से में मरने की बात बोलकर पैदल ही भाग आयी। पता नहीं कहां चली गईं हैं मैं उसकी नानी हूं। बात समझते देर नहीं लगी। गौरव एवं जगदम्बा द्वारा काफी दूर निकल गई बालिका को दौडकर पटरी से नीचे उतारा। उसके चंद मिनट बाद ट्रेन सीटी देते हुए बगल से गुजर गई। एक कहावत हैं जाको राखे सांईया मार सके न कोय। बालिका ने अपना नाम शिवानी पुत्र महेंद्र निवासी लेहडा बताया। जगदम्बा जायसवाल ने कहा कि शायद ईश्वर ने हमें देवदूत बनाकर भेज दिया था। बृजमनगंज थाने की महिला हेल्प डेस्क ने बालिका के माता पिता को बुलाकर उन्हें समझाते हुए उनके सुपुर्द कर दिया।

जादूगर सिकंदर का काशी में शानदार आगाज राज्य मंत्री भी हुए शो देख कर मुग्ध डायनासोर की दहाड़ से गूंजा हॉल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अपने मनमोहक करतबों से दुनियां भर के दर्शको के दिलो दिमाग पर छा चुके विश्व प्रसिद्ध जादूगर सिकंदर का काशी में शाही अंदाज में शो का शुभारंभ हुआ। पूरी तरह वातानुकूलित नागरी नाट्य मंडली के भवन में में उनके शो के प्रथम दिन ही दर्शको का जन सैलाब उमड़ पड़ा शहर के सम्मानित लोगो, मिडिया के लोगो की उपस्थिति में प्रदेश के राज्य मंत्री रविन्द्र जैसवाल ने शो के उद्घाटन की रस्म अदा की हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा` मुख्य अतिथि ने भारी भीड़ को संबोधित करते हुए जादूगर सिकंदर और इनकी कला की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी पर्दा बदला और शुरू हुआ फिर आश्चर्य का सफर नजारे ऐसे ऐसे की नजरों को खुद विश्वास नहीं हो पा रहा था। कभी फोटो फ्रेम के कबूतर निकल रहा तो कभी हवा में ग्लास झूल रहा,कभी लड़की हवा में तैर रही तो कभी अचानक डायनासोर मंच पर दहाड़ने लगा।

जादू का नयापन भरा शो जादूगर सिकंदर को पहले ही दिन सुपर हिट बना दिया हर करतब के बाद तालियों की ऐसी गड़गड़ाहट बिरले सुने गए हो किसी कार्यक्रम में शो प्रबंधक रुद्र प्रताप सिंह और अतुल जोशी ने बताया की यहां रोजाना दो शो तो होंगे ही शनिवार रविवार को और विशेष अवकाश और त्योहार के अवसर पर तीन हो होंगे जिसकी जानकारी टिकट काउंटर से या पूछताछ नंबर से लिए जा सकते हैं। आनलाइन भी टिकट का प्रबंध है। शो के पश्चात दर्शको में बेहद खुशी का आलम था,वार्ता में लोगो ने बताया पैसा वसूल शो से भी कही अच्छा शो लगा बहुतो का कहना था हम लोग फिर आयेंगे शो में लॉक डाउन के तनाव को शो ने दूर कर दिया।

प्रदेश में विद्युत व्यवस्था सुचारू रहे, इसके लिए ऊर्जा विभाग युद्ध स्तर पर कर रहा कार्य

प्रखर लखनऊ। प्रदेश में विद्युत व्यवस्था सुचारू रहे, इसके लिए ऊर्जा विभाग युद्ध स्तर पर प्रयास कर रहा है। ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री श्री ए०के० शर्मा ने परिस्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि विद्युत आपूर्ति बढ़ाने के हर सम्भव प्रयास हो रहे हैं। पूर्व में अपने कथन के अनुसार उन्होंने बताया कि कुछ स्रोतों से आज से अतिरिक्त बिजली मिलने की शुरूआत हो रही है। जिससे स्थिति बेहतर होगी। विद्युत आपूर्ति बढ़ाने के क्रम में प्रदेश के सबसे अनपरा ताप विद्युत गृह (2630 मे0वा०) की इकाइयों के लिए 10 लाख मीट्रिक टन कोयला नार्दन कोल फील्ड लि० की खदानों से रेल के साथ-साथ रोड मार्ग से भी लाया जा सके इसके लिए निर्णय लिया गया है। इस अतिरिक्त कोयले की आपूर्ति से अनपरा उत्पादन गृह में कोयले का पर्याप्त भण्डारण बना रहेगा, जिसका उपयोग अवश्यक्तानुसार विद्युत उत्पादन में किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने यह भी निर्देशित किया है कि रेल्वे के रेक को जल्दी खाली करने के प्रयास किए जायं जिससे वो कोयला लाने के लिए ज्यादा फेरा कर सकें। ऊजार्मंत्री ने

बताया है कि उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के लिए विद्युत संयंत्रों की लगातार मॉनिटरिंग हो रही है। इस प्रयास में उन्होंने आज दोपहर स्वयं जालौन ज़िले के 33 डश के दो विद्युत उपकेंद्रों (एट एवं उसरगांव) पर औचक निरीक्षण के लिए गए और वहाँ की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने बताया कि टोल फ्री नम्बर 1912 की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। स्थानीय दोषों के पूवार्नुमान सहित उनको कम से कम समय में ठीक कराने की कोशिश हो रही है। जिससे जो विद्युत उपलब्ध है वह उपभोक्ताओं तक निर्बाध पहुँचे।

सद्भावना रसोई के माध्यम से जरूरतमंदो को मिलेगा निःशुल्क भोजन, मानव सेवा समिति का सराहनीय कदम

प्रखर गाजीपुर। अब गरीब व जरूरतमंद लोगों को भूखे पेट नहीं रहना पड़ेगा। अब सप्ताह में दो दिन निःशुल्क भोजन सद्भावना रसोई के माध्यम से गरीबो, मजदूरो, जरुरतमंदों को मिलेगा। इसके लिए मानव सेवा समिति के तत्वावधान

मजदूर दिवस पर शहर में संपन्न हुआ कार्यक्रम

में आज मजदूर दिवस के अवसर पर सद्भावना रसोई का शहर के फूलनपुर, रेलवे स्टेशन,रोडवेज बस स्टैंड, गोराबाजार दुर्गा मंदिर आदि जगहों पर दो सौ दिहाड़ी मजदूरों को वितरण कर शुभारंभ किया गया।वितरण से पूर्व संस्था के प्रवंध निदेशक रमेश यादव ने मजदूर दिवस पर प्रकाश डाला और उनकी मेहनत और संघर्ष की भूरी-भूरी प्रसंशा की और मजदूरों से वादा किया कि जल्द ही हम आपके

बीच इस प्रकार का आयोजन निरन्तर करते रहेंगे। जरूरतमंद को भोजन कराना और उसकी सेवा करना जीवन का सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। इस कार्य के लिए हर व्यक्ति को आगे आना चाहिए ताकि कोई व्यक्ति भूखा ना सोए।इसके उपरांत मानव उत्थान सेवा समिति के सचिव महात्मा सुकणानंद ने मजदूरों पर चर्चा करते हुए उनके संघर्ष का वर्णन किया और कहा कि मजदूरों के संघर्ष से सीख लेने की आवश्यकता है। ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक शमीम अब्बासी एवं गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार दर्शन सिंह ने कहा कि जन्मदिन या पुण्यतिथि हो ऐसे आयोजनों के अवसर पर व्यर्थ खर्चा करने के बजाय आप इन जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था करें, लोग भी इनकी मदद के लिए आगे आएं।जल्द ही प्रतिदिन ऐसे भोजन वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ कर दिया जाएगा। नया सवेरा फाउंडेशन के संस्थापक मौलाना नजमुस्साकिब अब्बासी नदवी, सिद्धपीठ औढ़ारी मठ के महंत स्वामी दिव्यानंद यति जी महाराज, हजरत सय्यद मसूद, गाजीपुर वेलफेयर सोसायटी के संस्थापक मौलाना नईमुद्दीन गाजीपुरी आदि ने मजदूर दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये, इस अवसर पर छात्र नेता दिनेश सिंह यादव,अनिल कुमार, राजेश तिवारी, अखिलेश यादव, बिलाल अहमद, राहुल कुमार, अजय यादव आदि उपस्थित रहे।

गंभीर आरोपों की भेंट चढ़े तहसीलदार वाराणसी मुख्यालय से हुए संबद्ध

प्रखर जखनियां गाजीपुर। तहसील मुख्यालय पर अपने मातहतों संग गाली गलौज करने जनशिकायत निस्तारण के प्रति रुचि नहीं रखने के अलावा मनमानी और अपनी हेकड़ी दिखाते हुए अपने उच्च अधिकारियों से बिना अनुमति लिए गायब रहकर अनुशासन हीनता की हद करने जैसी गंभीर शिकायतें जखनिया तहसीलदार संजय कुमार राय को महंगा पड़ गई। आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद के निर्देश पर परिषद द्वारा तत्काल प्रभाव से उन्हें निलम्बित करते हुए आयुक्त वाराणसी मण्डल, वाराणसी के कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया। सूचना विभाग द्वारा जारी खबर में बताया गया है कि जखनिया तहसीलदार संजय कुमार राय 15 अप्रैल से उच्च अधिकारी से बिना अनुमति लिए तहसील मुख्यालय/जनपद मुख्यालय से गायब रहे। इसके अलावा जन शिकायतों के निस्तारण में रूचि न रखने, राजस्व अधिकारियों/कार्मिकों के प्रति गाली-गलौज एवं दुर्व्यवहार किए जाने, उच्च अधिकारियों/जन प्रतिनिधियों का फोन न उठाने आदि अनुशासहीनता करने संबंधी प्रकरण में आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद के निर्देश पर परिषद द्वारा तत्काल प्रभाव से उन्हें निलम्बित करते हुए आयुक्त वाराणसी मण्डल, वाराणसी के कार्यालय से सम्बद्ध किया गया। निलंबन की अवधि में संजय कुमार राय को वित्तीय नियम संग्रह खंड-2 भाग-2 से 4 के मूल नियम-53 के प्राविधानों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि अर्द्ध वेतन पर देय अवकाश वेतन की राशि के बराबर देय होगी तथा उन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि पर मंहगाई भत्ता, यदि ऐसे अवकाश वेतन पर देय है, भी अनुमन्य होगा। लेकिन ऐसे अधिकारी को जीवन निर्वाह के साथ कोई मंहगाई भत्ता देय नहीं होगा, जिन्हें निलंबन से पूर्व प्राप्त वेतन के साथ मंहगाई भत्ता, अथवा मंहगाई भत्ते का उपान्तिक समायोजन प्राप्त नहीं था। निलंबन के दिनांक को प्राप्त वेतन के आधार पर अन्य प्रतिकर भत्ते भी निलंबन की अवधि में इस शर्त पर देय होंगे, जब इसका समाधान हो जाय कि उनके द्वारा उस मद में व्यय वास्तव में किया जा रहा है, जिसके लिए उक्त प्रतिकर भत्ते अनुमन्य हैं।

संक्षिप्त खबरें

गैस के रिसाव से लाखों का सामान जलकर राख

प्रखर गाजीपुर। करंडा थाना अंतर्गत रामपुर माझा ग्राम सभा में बीते 30 अप्रैल रात करीब 8:09 बजे सतीराम प्रजापति के घर गैस सिलेंडर से लगी आग में लाखों का सामान जलकर हुआ खाक साथ में आशीष प्रजापति का जला हाथ मौके पर चौकी प्रभारी मांझा थाना करंडा मौजूद थे ग्रामीणों के कहने पर चौकी प्रभारी के द्वारा फायर ब्रिगेड को फोन किया गया जब तक फायर ब्रिगेड आता गांव के लोगों के द्वारा आग पर काबू पाया गया जब तक काबू पाया गया तब तक गृहस्ती का सामान व मजदूरी का पैसा जलकर खाक हो गया शासन से अभी तक कोई सहयोग नहीं मिला है। पीड़ित का कहना है कि अभी तक सरकार की तरफ से कोई सहायता नहीं प्राप्त हुई है। जबकि सरकार का आदेश है कि इस तरह के प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए अधिकारी तुरन्त संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही करते हुए जनता को राहत प्रदान करने का कार्य करें।

महराजगंज एसपी डा. कौस्तुभ ने बृजमनगंज में किया आकस्मिक निरीक्षण

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज। नगर पंचायत बृजमनगंज रविवार दोपहर लगभग 2:00 बजे महाराजगंज एसपी डॉक्टर कौस्तुभ का अचानक दौरा हुआ। रविवार कस्बे में बाजार लगने के कारण एसपी ने पैदल ही निरीक्षण करना शुरू किया भीड़ भाड़ को देखते हुए उन्होंने जाम की स्थिति का जायजा लिया के उपरांत बृजमनगंज थाने का निरीक्षण के दौरान थाने के ूउल्ल२ आफिस,महिला हेल्प डेस्क,मालखाना/शस्त्रागार को चेक किया गया तथा साफ सफाई रख रखाव के संबंध में दिशा निर्देश दिया गया।पुलिस अधीक्षक ने आकस्मिक निरीक्षण के दौरान उपस्थित समस्त उपनिरीक्षकों से उनके क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया गया तथा अपराध नियंत्रण तथा आगामी त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु को आवश्यक निर्देश दिए गए।इस दौरान थानाध्यक्ष चंद्रहास मिश्रा यस आई उमाकांत सरोज यस आई के पी सिंह ईएसआई अश्वनी कुमार हेड कांस्टेबल धनंजय कुमार कांस्टेबल निर्भय कुमार सहित समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहे।

गोकशी कर मांस बिक्री करने जा रहे दो कसाई गिरफ्तार

प्रखर केराकत जौनपुर। गोकशी कर मांस लेकर बिक्री करने जा रहे दो गो कशों केराकत कोतवाली थाना की पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए गो कशों के पास से लगभग 30 किलो ग्राम गो मांस, एक लकड़ी का ठीहा और एक बड़ा चाकू बरामद हुआ है। पकड़े गए गो कशों का नाम सद्दाम कुरैशी और साहिल है। सद्दाम केराकत कस्बे के सिपाह मोहल्ले का है जबकि साहिल आजमगढ़ जिले के सरायमीर थाना क्षेत्र के पठान टोला मोहल्ले का है। सद्दाम इसके पहले भी गोकशी के मामले में जेल जा चुका है। जानकारी के मुताबिक दोनों सिपाह मोहल्ले के गोमती नदी के किनारे स्थित एक नाले में गाय का वध करने के बाद उसका मांस लेकर बिक्री करने जा रहे थे तभी केराकत पुलिस ने गुलजार शेख के घर के पास घेरकर पकड़ लिया।

केराकत थाने के एसआई हैदर अली हटाए गए

प्रखर केराकत जौनपुर। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी ने केराकत कोतवाली थाना के एस आई हैदर अली का शनिवार को ट्रांसफर कर दिया। उन्हें सुरेरी थाना भेजा गया है। उनके स्थान पर सुरेरी थाना के अटल बिहारी मिश्रा को केराकत थाने पर तैनात किया गया है। गौरतलब हो कि एस आई हैदर अली को पूर्व बीजेपी विधायक अशोक कुमार सोनकर के साथ दुर्व्यवहार करने का लेकर मीडिया की शुर्खिया बनी रही। पूर्व विधायक ने 28 अप्रैल को हैदर अली के द्वारा किए गए दुर्व्यहार को लेकर सीओ शुभम तोदी और पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए कार्यवाही न होने पर प्रदर्शन करने की बात कही थी। जिसको संज्ञान में लेते हुए एस आई हैदर अली को केराकत से हटा कर सुरेरी थाना भेज दिया गया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं